मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 156
शुक्रवार, 20 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारी हंगामे के चलते आज भी नहीं चली संसद

धक्कामुक्की में घायल हुए दो भाजपा सांसद आईसीयू पहुँचे

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर के संदर्भ में की गयी एक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों में आज भी कोई कामकाज नहीं हो पाया और बैठक दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। इसके अलावा संसद परिसर में राहुल गांधी की ओर से की गयी धक्कामुक्की के दौरान घायल हुए दो भाजपा सांसदों के मुद्दे पर भी विपक्षी दल को जमकर घेरा जा रहा है। सुबह विपक्षी सदस्यों ने संसद परिसर में मार्च निकाला तो भाजपा सांसदों ने कांग्रेस पर बाबासाहेब के अपमान का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। संसद भवन के मकर द्वार के निकट सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्य एक दूसरे के सामने आ गए और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान हुई धक्कामुक्की में दो भाजपा सांसद घायल हो गये।

जहां तक घायल भाजपा सांसदों की बात है तो आपको बता दें कि दो सांसदों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शुक्ला ने कहा कि ओडिशा के प्रताप चंद्र सारंगी (69) और उत्तर प्रदेश के मुकेश राजपूत को सिर में चोट लगने के कारण संसद से अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने कहा, ₹सारंगी का बहुत खून बह रहा था। उनके माथे पर गहरा घाव था। टांके लगाने पड़े। जब उन्हें लाया गया तो उनका रक्तचाप काफी बढ़ा हुआ था।₹ डॉ. शुक्ला ने कहा, ₹राजपूत के सिर में भी चोट लगी जिसके तुरंत बाद वह बेहोश हो गए। हालांकि, जब सांसद को अस्पताल लाया गया तो वह होश में थे। उनका रक्तचाप स्तर भी बढ़ गया था।₹ आरएमएल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि दोनों सांसदों को दवाएं दी गई हैं, जबकि सिर के सीटी स्कैन और हृदय परीक्षण जैसी जांच जारी हैं। चिकित्सक ने कहा, ₹वे दोनों आईसीयू में हैं।

दूसरी ओर, दोनों सदनों की कार्यवाही की बात करें तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर के संदर्भ में की गयी एक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के कारण लोकसभा में कोई विधायी कार्य नहीं हो सका तथा बैठक एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। पहले पूर्वाह्न 11 बजे सदन जैसे ही समवेत हुआ, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व सदस्य कांग्रेस के ईवीकेएस एलंगोवन के निधन के बारे में सूचित किया और उनके राजनीतिक जीवन का संक्षिप्त उल्लेख किया।

इसके बाद सदन ने कुछ पल मौन रखकर दिवंगत पूर्व सदस्य को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद, कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने शाह की टिप्पणी से जुड़ा विषय सदन में उठाने का प्रयास करते हुए हंगामा किया, जबकि सत्तापक्ष के सदस्यों ने भी मुख्य विपक्षी दल पर संविधान निमार्ता के अपमान का आरोप लगाते हुए प्रतिवाद किया। भारी हंगामे के कारण बिरला ने पूर्वाह्न 11 बजकर तीन मिनट पर सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने ह्यभारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्राह्न विषय पर राज्यसभा में दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश भी जारी किया, जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं, अभी एक फैशन हो गया है।

टीडीबी सुनिश्चित करे कि अन्नधानम के लिए श्रद्धालुओं से कोई पैसा न लिया जाएः केरल उच्च न्यायालय

केरल, 19 दिसम्बर। केरल उच्च न्यायालय ने त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि मंडला-मकरविलक्कू तीर्थयात्रा के दौरान एदाथवलम (पड़ाव बिंदु) पर अन्नधानम का लाभ उठाने वाले सबरीमाला तीर्थयात्रियों से कोई पैसा नहीं लिया जाए।

न्यायमूर्ति अनिल के. नरेन्द्रन और न्यायमूर्ति मुरली कृष्ण एस. की पीठ ने एक श्रद्धालु की शिकायत के बाद यह निर्देश जारी किया। शिकायत में तीर्थयात्रा के दौरान टीडीबी के तहत आने वाले मंदिरों में अन्नधानम का लाभ उठाने वाले तीर्थयात्रियों से दान एकत्र करने का आरोप लगाया गया था। पीठ ने टीडीबी और देवस्वओम आयुक्त को यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया कि तीर्थयात्रा के दौरान बोर्ड के प्रबंधन के तहत एदाथवलम और अन्य मंदिरों में सबरीमाला तीर्थयात्रियों को शौचालय, अन्नधानम आदि जैसी उचित सुविधाएं प्रदान की जाएं। अदालत ने कहा, संबंधित मंदिरों में अन्नधानम का लाभ उठाने वाले श्रद्धालुओं या सबरीमाला तीर्थयात्रियों से कोई पैसा नहीं लिया जाएगा।

सोशल स्ट्रक्चर को ध्वस्त कर देगा, लिव-इन रिलेशनशिप: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह समाज के नियमों के खिलाफ हैं और इससे सामाजिक संरचना ध्वस्त हो जाएगी। एक यूट्यूब साक्षात्कार के दौरान लिव-इन रिलेशनशिप पर उनके विचारों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने टिप्पणी की कि लिव-इन रिलेशनशिप गलत थे। नितिन गडकरी ने स्वतंत्र पत्रकार समदीश भाटिया के साथ साक्षात्कार में कहा कि मैं लंदन में ब्रिटिश संसद गया जहां मैं प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री से मिला और उन्होंने पूछा कि उनके देश में सबसे बड़ा मुद्दा क्या है। मैंने गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी आदि कहा। जब मैंने उनसे वही सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों में सबसे बड़ा मुद्दा यह था कि बहुसंख्यक युवा आबादी की शादी नहीं हो रही थी।

यह पूछे जाने पर कि इसका किसी देश पर क्या प्रभाव पड़ता है, गडकरी ने कहा कि बच्चे कैसे पैदा होंगे, उनका भविष्य क्या होगा। यदि आप सामाजिक जीवनशैली को खत्म कर देंगे, तो इसका लोगों पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ेगा? भारत को अधिक या कम बच्चों की जरूरत है, इस पर मंत्री ने कहा कि यह सवाल नहीं है। यह माता-पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चे पैदा करें और उनका उचित पालन-पोषण करें। यदि आप किसी दिन कहते हैं कि आपने मनोरंजन के लिए बच्चे पैदा किए हैं और फिर बिना सोचे-समझे देखते रहें। गडकरी ने कहा कि यह समाज स्थिर क्यों है, महिलाओं और पुरुषों का अनुपात सही है, कल अगर महिलाओं का अनुपात 1500 होगा और पुरुषों का अनुपात 1000 होगा तो हमें पुरुषों को दो पत्नियां रखने की अनुमति देनी होगी।

शाहजहांपुर में हाईवे पर कार-ट्रक भिड़ंत में पांच की मौत, 6 घायल

लखनऊ, 19 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के जिला शाहजहांपुर में बेवर-पीलीभीत हाईवे पर बुधवार रात पशु से टकराकर अनियंत्रित हुई अर्टिगा कार ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दुर्घटना में कपड़ा व्यापारी उनकी पत्नी, बेटी समेत पांच की मौत हो गई। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। कार में सवार छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं, उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। ये सभी लोग कांट से दिल्ली जा रहे थे। सात सीटर कार में 11 लोग सवार थे, इनमें छह बच्चे थे। इसे भी दुर्घटना का कारण बताया जा रहा है। कांट के नवादा नगला बनवारी गांव निवासी रियासत अली दिल्ली में रेडीमेड कपड़े के थोक व्यापारी थे। डेढ़ माह पूर्व वह गांव आए थे। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात को रियासत, पत्नी आमना बेगम, बेटे सुब्हान, आमिर, बेटी खुशी व गुड़िया के साथ दिल्ली जाने के लिए घर से निकले थे। उनके साथ कासगंज के गंजडुंडवारा निवासी शालू चंद्रा, उनकी पत्नी अन्नू, छह वर्षीय बेटा अंश भी था। शालू भी दिल्ली में काम करते हैं। वह अपनी ससुराल कांट के गांव आए थे। रियासत ने रास्ते से एक महिला व उसके साथ बच्चे को भी कार में बैठाया था। वे सभी लोग रात 10.30 बजे बेवर-पीलीभीत हाईवे पर मदनापुर के बुधवाना के पास पहुंचे थे। उसी दौरान सड़क पर आए बेसहारा पशु से टकराकर अनियंत्रित हुई कार सामने से आ रहे ट्रक में जा घुसी।

अमित शाह को बचाने के लिए भैया के खिलाफ साजिश रची गईः प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने भाजपा के इन आरोपों को 'गृह मंत्री अमित शाह को बचाने की साजिश' बताया कि उनके भाई और पार्टी नेता राहुल गांधी ने एक भाजपा सांसद को धक्का दिया। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों पर शांतिपूर्वक विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों को संसद में प्रवेश करने से रोकने के लिए ₹गुंडागर्दी₹ में शामिल होने का भी आरोप लगाया। बीआर अंबेडकर के कथित अपमान को लेकर संसद परिसर में विपक्ष और एनडीए सांसदों के बीच झड़प में बीजेपी सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। भाजपा ने राहुल गांधी पर 69 वर्षीय सारंगी को धक्का देने का आरोप लगाया, जिसे कांग्रेस नेता ने खारिज कर दिया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि राहुल गांधी बीआर अंबेडकर की तस्वीर लेकर और जय भीम का नारा लगाते हुए शांतिपूर्वक संसद के अंदर जा रहे थे लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया। संसद परिसर में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हम इतने दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और लोगों के प्रवेश के लिए हमेशा जगह है। रोजाना सुबह 10.30 बजे से 11 बजे तक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन हो रहा है. आज, पहली बार, उन्होंने (भाजपा सांसदों) विरोध किया और सभी को रोका और फिर धक्का-मुक्की और गुंडागर्दी में शामिल हो गए। अब अमित शाह की खाल बचाने के लिए उन्होंने ये साजिश शुरू कर दी है कि 'भैया' ने किसी को धक्का दिया है।

प्रियंका ने कहा कि मेरी आंखों के सामने ही खड़गे जी को धक्का लगा और वो जमीन पर गिर पड़े. फिर उन्होंने एक सीपीआई (एम) सांसद को धक्का दिया जो खड़गे जी पर गिर पड़े. कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मुझे लगा कि इससे उनका पैर टूट गया होगा क्योंकि उनके चेहरे से लग रहा था कि उन्हें चोट लगी है।

निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मियो का प्रदर्शन

कर्मचारियों की डिमांड : विफलता मान ली है तो संघर्ष समिति को हैंडओवर करे पावर कारपोरेशन

सुरेश गांधी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति वाराणसी के तत्वाधान में गुरुवार को बनारस के समस्त बिजली अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भिखारीपुर स्थित हनुमानजी मंदिर के प्रांगण में जबरदस्त धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान एक स्वर में बिजली के निजीकरण के फैसले की निंदा करते हुए ऊर्जा प्रबंधन की विफलता का आरोप लगाएं जाने पर ऊर्जा मंत्री के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि पावर कारपोरेशन की दुर्दशा को दूर करने हेतु संघर्ष समिति को हैंडओवर कर देना चाहिए। इस बाबत बिजली कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री को पत्र भेजकर जनहित में अपील भी की है। वक्ताओं ने बताया कि आज उप्र एवं चंडीगढ़ में बिजली के निजीकरण के निर्णय के विरोध में पूरे देश में 27 लाख बिजली कर्मचारी सड़कों पर उतरे। बिजली कर्मचारियों मांग है उप्र में बिजली के निजीकरण का जनविरोधी निर्णय वापस लिया जाय। देशभर के बिजली कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उप्र में बिजली के निजीकरण की कोई भी एकतरफा कार्यवाही प्रारम्भ की गयी तो उसी समय बिना किसी नोटिस के देश भर के बिजली कर्मचारी आन्दोलन शुरू करने हेतु बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी उप्र सरकार और उप्र पावर कारपोरेशन प्रबन्धन की होगी। सभा की अध्यक्षता ई मायाशंकर तिवारी और संचालन अंकुर पाण्डेय ने किया। सभा को सर्वश्री मायाशंकर तिवारी, ई नरेंद्र वर्मा, ई केके ओझा, ई एसके सिंह, मदन श्रीवास्तव, राजेन्द्र सिंह, संतोष वर्मा, विजय सिंह, आरबी यादव, रामकुमार झा, उदयभान दुबे, रामजी भारद्वाज, रंजीत कुमार आदि ने संबोधित किया। मीडिया प्रभारी अंकुर पांडेय ने बताया कि देश के बिजली कर्मचारियों के साथ आज उप्र के बिजली कर्मचारियों ने काकोरी क्रांति के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर शहीदों के सपनों का भारत बनाओ - बिजली का निजीकरण हटाओ नारे के साथ समस्त जनपदों एवं परियोजना मुख्यालयों पर सभाएं की और निजीकरण का प्रस्ताव निरस्त करने की मांग की। इसके अलावा संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने ऊर्जा मंत्री द्वारा बिजली कर्मचारियों पर बिजली चोरी कराने के लगाये गये झूठे आरोप की कड़े शब्दों में निन्दा की।

KWALITY BUILDERS & DEVELOPERS
अपने सपनों का घर प्राप्त करें, सस्ते दामों एवं आसान किस्तों के साथ मुंबई मे भी उपलब्ध
PRAKASH PRAJAPATI MO:9821773050
Venue: Plot No. 20/27/2/A/20, Behind Janbai Building, Navali, Palghar (E), 401404

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें
पुर्णिमा सर्विसेस
COMPLETE SOLUTIONS OF WATER TREATMENT
ALL TYPES WATER PURIFIER SERVICE
Email - purnima.services@gmail.com
8655185584
Shop No. 7, Gr. Floor , Prerna Tower, Diva - Shil Road , Diva (E) - 400612

THE DOCTORS COACHING
अब आपके विकास नगर लखनऊ में
Your Gateway to Success in NEET & Foundation Exams!
Powered by- Modern Kids Education Pvt.Ltd. (Since 1999)
NEET (UG) & FOUNDATION
Physics Chemistry Biology
Director Dr. Abid Khan PhD (USA)
9th, 10th, 11th & 12th
Smart Classes
Fully Air- Conditioned Classes
The Doctors Coaching Your Gateway to success in NEET a foundation exams!
ADMISSION OPEN NOW!
www.thedoctorcoaching.com | edu@thedoctorcoaching.com
+91- 7080403322, +91- 8400043322
Near LHPS, Friends Colony, Sector- 7, Vikas Nagar, Lucknow- 226022

निस्तेज विपक्ष देष को कब तक अंधेरों में धकेलेगा?

-ललित गर्ग

विपक्ष बात-बात पर तू-तू, मैं-मैं करते हुए बात का बतंगड़ बनाकर देश का भारी नुकसान कर रहा है। संसद को चलने नहीं दे रहा है, आधे-अधूरे बयान के हिस्से को प्रचारित कर घटिया एवं सस्ती राजनीति करते हुए देश को गुमराह कर रही है। बेबुनियाद एवं भ्रामक मुद्दों को उछाल कैसे गुल खिलाये, कैसे देश को अंधेरों में धकेला जाये, इसी फिराक में कांग्रेस एवं समूचा विपक्ष दिनरात लगा है, इसका प्रमाण है गत दिवस संसद में गृह मंत्री अमित शाह के डा. आंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर विपक्ष का हंगामा, तीखी नोकझोंक एवं होहल्ला। इस हंगामे का आधार यह है कि गृह मंत्री ने यह कह कर आंबेडकरजी का अपमान कर दिया कि यदि आंबेडकर, आंबेडकर करने वाले इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। मुश्किल यह है कि हंगामा करने वाले यह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि आखिर ऐसा कहने से आंबेडकरजी का अपमान कैसे हो गया? विडम्बना देखिये कि आजादी के बाद से अब तक आंबेडकर का अपमान करने, तिरस्कार करने एवं उनकी उपेक्षा करने वाला दल एकाएक उनका इतना हिमायती कैसे हो गया? यह सारा हंगामा विपक्ष इसलिये कर रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी ने आंबेकडर को शीर्ष राष्ट्रनायकों में शुमार कर किया है और उनकी नीतियों, सिद्धान्तों एवं मूल्यों को राजनीति का अहम हिस्सा बनाया है। विपक्ष डरा हुआ है कि भाजपा आंबेडकर को आजादी के बाद प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह के बाद उचित स्थान देकर दलित समुदाय के हितों की वास्तविक चिन्ता की है, जिससे दलित वोट भाजपा के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है। इसलिये शाह के बयान को तोड़-मरोड एवं आधा-अधूरा प्रस्तुत कर बेवजह का हंगामा करने पर तुले विपक्ष एवं उनके नेताओं ने जो एवं जैसे तर्क दिए हैं, वे विचित्र ही नहीं, हास्यास्पद भी हैं। बाबा साहेब आंबेडकर पर घडियाली आंसू बहाने वाला विपक्ष एवं विशेषतः कांग्रेस यह भूल रही है कि आंबेडकर का सर्वाधिक अपमान एवं उपेक्षा इन्हीं दलों ने की है। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आंबेडकर को पसन्द नहीं करते थे। क्योंकि आंबेडकर मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेस नीति से नाखुश थे। उनका मत था कि धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ है, अतः सभी मुस्लिम को भारत छोड़ देना चाहिए? गांधी और नेहरू ने इस विचारधारा का विरोध किया? गांधी तो विरोध में भूख हड़ताल पर बैठ गए? बाबा साहेब ने गांधी से समझौता कर संविधान को मुस्लिम के अनुसार ड्राफ्ट कर दिया? फिर भी नेहरू बाबा साहेब के विरुद्ध लगातार लगे रहे। यहां तक आंबेडकर के चुनाव लड़ने पर नेहरू ने उनके खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी खड़ा कर उन्हें हरवा दिया? विडम्बना देखिये कि आंबेडकर के सचिव नारायण सदोबा काजरोलकर को उनके खिलाफ खड़ा कर दिया। कांग्रेस ने न केवल दो बार उन्हें चुनाव में हराया बल्कि केन्द्र सरकार में उनकी घोर उपेक्षा लगातार जारी रखी। इसी से नाराज होकर आंबेडकर ने मंत्री पद से इस्तिफा देते हुए नेहरू पर गंभीर आरोप लगाये। इतना ही नहीं आंबेडकर ने स्वयं के बनाये संविधान को जला देने की बात भी इसलिये कही थी कि संविधान का संचालन गलत हाथों में है।

इतिहास की इन त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों के बावजूद आखिर कांग्रेस किस आधार पर आंबेडकर की तस्वीरें लेकर संसद परिसर में विरोध कर रही है। अपने आरोप को पुष्ट करने के लिए विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस नेता गृह मंत्री के बयान के एक हिस्से को तो प्रचारित कर रहे हैं, लेकिन उसके शेष हिस्से को सुनने के लिए तैयार नहीं, जिसमें उन्होंने कहा था कि डा. आंबेडकर का नाम लेने वालों ने किस तरह उनके विचारों के खिलाफ काम किया और उन्हें अपमानित करने में भी संकोच नहीं किया। लगता है कांग्रेस को यही नागवार गुजरा और इसी कारण वह संसद के भीतर-बाहर इस मामले को तूल देने में जुट गई। इसे तूल देने के लिए उसके नेताओं की ओर से संसद के दोनों सदनों में आज भी हंगामा बरपाया कि दोनों दलों के सांसदों के बीच मकर द्वार पर धक्कामुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी के सिर में चोट देखी गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल सांसद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया, जो मेरे ऊपर गिरे। आरोप पर जवाब देते हुए राहुल ने कहा कि हां! ऐसा हुआ। वे हमें प्रवेश द्वार पर रोकने की कोशिश रहे थे। ये तर्क एवं त्रासद स्थितियां संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाली है। कांग्रेस के तर्कों का स्तर न केवल राजनीतिक विमर्श का गिराने वाला ही नहीं, बल्कि यह बताने वाले भी हैं कि नेतागण किस तरह तिल का ताड़ बनाने में माहिर हो गए हैं। कांग्रेस भाजपा के बारे में तथ्यहीन एवं भ्रामक अफवाहें फैला रही है। कांग्रेस नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक गरीब और बेरोजगारी का गीत गाते रहे हैं, लेकिन उनके शासनकाल में न तो गरीब खत्म हुए और न बेरोजगारी? नीयत में खोट और अनुभवहीनता का जब सत्ता प्राप्ति के संदर्भ में समन्वय हो जाता है, तो ऐसी हास्यास्पद स्थितियां निर्मित हो जाती हैं। भारत की राजनीति में इस समय यही स्थिति बन गई है। राजनीतिक बहस का स्तर इतना छिछलादार, स्तरहीन एवं बेबुनियाद नहीं होना चाहिए। झूठ को जोर-जोर से चिल्लाकर कहने से वह सच नहीं हो जाता। यह अच्छा हुआ कि गृह मंत्री ने अपने बयान पर कोई सफाई देने के बजाय दो टूक यह कहना उचित समझा कि उनके पूरे वक्तव्य को सुना जाए। वैसे यह तय है कि विपक्षी नेता ऐसा नहीं करने वाले, क्योंकि उन्हें यही साबित करना है कि आंबेडकरजी का अपमान हो गया, संविधान खतरे में आ गया इसलिये गृहमंत्री को अपने पद से इस्तिफा दे देना चाहिए। आखिर इसे मूर्खतापूर्ण राजनीति न कहा जाए तो क्या कहा जाए? इस पर हैरानी नहीं कि राहुल गांधी को फिर से यह नजर आने लगा कि मोदी सरकार संविधान बदलने जा रही है। कांग्रेस नेता गृह मंत्री के बयान को लेकर आसमान सिर पर उठाने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस सच को नहीं छिपा सकते कि उनके शासनकाल में डा. आंबेडकर की किस तरह उपेक्षा और अनदेखी की गई। इसका सबसे बड़ा प्रमाण तो यही है कि जहां जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को तो उनके जीवनकाल में ही भारत रत्न से सम्मानित कर दिया गया, लेकिन आंबेडकरजी को यह सम्मान दशकों बाद 1990 में मिल सका। यहां तक संसद के केन्द्रीय कक्ष में मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू एवं इन्दिरा गांधी की तस्वीरें तभी लग गयी लेकिन आंबेडकर की तस्वीर वी.पी. सिंह ने प्रधानमंत्री रहते लगायी गयी। क्या कांग्रेस बता सकेगी कि ऐसा क्यों हुआ? क्यों आंबेडकर की लगातार उपेक्षा होती रही? डा. आंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 के अपने ऐतिहासिक भाषण में यह कहा था कि संविधान कितना अच्छा होगा, यह आगे चलकर उसे चलाने वालें सत्ता नेतृत्व की मानसिकता एवं नीयत पर निर्भर करेगा। 1975-77 में यह शब्दशः सत्य सिद्ध हुआ, जब पद पर बने रहने की लालसा ने संविधान के साथ अत्याचार करते हुए आपातकाल लागू किया गया, जिसे इतिहास भूलेगा नहीं। लेकिन आज जो संविधान बचाने का शोर सुनाई दे रहा है और जिसकी प्रति संसद से संभल तक लहराई जा रही है, वह देश का ध्यान भटकाने की कोशिश मात्र है, जनता को गुमराह करने की कुचेष्टा मात्र है। निश्चित ही यह दयनीय, विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद है कि सत्ता पाने के लिए व्याकुल लोगों की व्यग्रता अब घातक उग्रता के रूप में प्रकट हो रही है। संसद के कार्य संचालन में जैसे व्यवधान डाले जा रहे हैं, वे न तो भारत के संविधान के प्रति कोई आदरभाव प्रकट करते हैं, न ही आंबेडकर के प्रति कोई श्रद्धा प्रकट करते हैं। आज हमारे विपक्ष के पास एक भी ऐसा नेता नहीं है जो इस स्थिति से देश को बाहर निकाल सके, राष्ट्रीय चरित्र को जीवित रखने का भरोसा दिला सके। प्रश्न है कि निराश करने वाला विपक्ष देश को कब तक अंधेरों में धकेलता रहेगा?

अमित शाह द्वारा कांग्रेस को दिखाएं आईने को तोड़ मरोड़ कर पेश करने का झूठ पकड़ा गया!

अशोक भाटिया

कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ नेताओं को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुछ वीडियो क्लिप साझा करने पर बुधवार को से नोटिस मिला। विपक्षी सूत्रों ने कहा कि (पहले ळ्ठ३३ी१) की चिट्ठी में गृह मंत्रालय (टळअ) के साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर से मिले नोटिस का हवाला दिया गया है। इसमें उनके द्वारा शेयर की गई सामग्री को भारत के कानून का कथित तौर पर उल्लंघन करने वाला करार देते हुए हटाने को कहा गया है। एक्स ने नोटिस जारी तब किया, जब भाजपा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस राज्यसभा में बीआर आंबेडकर के बारे में अमित शाह के भाषण के संपादित वीडियो शेयर कर रही है। सूत्रों ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुरोध पर कांग्रेस के हैंडल को नोटिस जारी किया गया था।

कांग्रेस द्वारा अमित शाह के भाषण की एक क्लिप साझा करने के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था, जिसमें उन पर भारतीय संविधान के निर्माता बीआर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया गया था। भाजपा ने जवाबी हमला किया, यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आरोपों का जवाब देने के लिए कदम उठाया उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा संविधान को बदलने का इरादा रखती है, उन्होंने अमित शाह से माफी की मांग की थी। मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी अमित शाह से माफी की मांग की थी। भाजपा और अमित शाह ने कांग्रेस के आरोपों का कड़ा विरोध किया, जिसमें वीडियो क्लिप में हेराफेरी का आरोप लगाया गया। गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि भाजपा सभी कानूनी विकल्पों की जांच करेगी। संसद के अंदर और बाहर जो भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है, सभी संभावनाओं पर विचार किया जाएगा।कांग्रेस ने अपनी पुरानी चालें चलीं और गलत तथ्य पेश करके समाज को गुमराह करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि वह ऐसी पार्टी से आते हैं जो कभी अंबेडकर का अपमान नहीं करेगी।

गौरतलब है कि राज्यसभा में एक दिन पहले मंगलवार (17 दिसंबर) को संविधान पर चर्चा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने भीम राव अंबेडकर को लेकर बयान दिया था , जिसे लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा मचा रखा है। बुधवार को संसद के अंदर से लेकर बाहर तक विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान संविधान निर्माता बाबा साहेब का अपमान किया है वहीं अब अमित शाह की अंबेडकर संबंधी टिप्पणी पर विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री मोदी एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस को जमकर घेरा। साथ ही कहा कि अमित शाह ने राज्यसभा में अंबेडकर का अपमान करने के कांग्रेस पार्टी के काले इतिहास को उजागर किया है।

अंबेडकर को लेकर कांग्रेस के हंगामे पर प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि अगर कांग्रेस और उसका सड़ा हुआ इकोसिस्टम यह सोचता है कि उनके दुर्भावनापूर्ण झूठ उनके कई वर्षों के कुकर्मों, खासकर डॉ. अंबेडकर के प्रति उनके अपमान को छिपा सकते हैं, तो वे बहुत बड़ी गलतफहमी में हैं! भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी/एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है। बार-बार देखा है कि कैसे एक पेश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी/एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर अंबेडकर को भारत रत्न देने से इनकार करने और संसद के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र को जगह न देने का आरोप लगाया।

अमित शाह ने कांग्रेस के बारे में बोलते हुए कहा था कि वह बार बार संविधान का हवाला देती है पहले वह खुदकों आईने में देखे। कांग्रेस ने संविधान में बोलने की आजादी कम करने का संशोधन किया, मौलिक अधिकारों में कटौती का संशोधन किया, चुनाव हारने की आशंका के कारण विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने का संशोधन किया, अपनी कुर्सी बचाने के लिए प्रधानमंत्री के कामों की न्यायिक जांच पर रोक लगाने का संशोधन किया, जबकि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ह्यएक देश एक टैक्सह्व के लिए संविधान में संशोधन किया, पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया, महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए संशोधन किया, गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए संशोधन किया। अमित शाह ने कहा कि ये सारे उदाहरण देखने के बाद कोई भी समझ सकता है कि संविधान को लेकर कांग्रेस की मंशा और नरेन्द्र मोदी की नीयत में क्या फर्क है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस अपनी पुरानी मानसिकता से उबर नहीं पाई है, आज भी वो समान नागरिक संहिता का विरोध कर रही है लेकिन भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से कॉमन सिविल कोड सभी राज्यों में लाएगी।

ये अमित शाह का कांग्रेस पर अब तक का सबसे करारा हमला था क्योंकि भाजपा इन्हीं तीन बातों के आधार पर अपने आप को कांग्रेस से अलग बताती है। अमित शाह ने दूसरा काम ये किया कि उदाहरण देकर, तुलना करके ये बताया कि कांग्रेस ने जब जब संविधान में संशोधन किए तो उसका उद्देश्य कुर्सी बचाना था और जब जब मोदी सरकार ने संशोधन किए तो मकसद गरीबों और पिछड़ों को ज्यादा अधिकार देने का था। अमित शाह ने जो उदाहरण दिए, उन्हें समझने की जरूरत है। अमित शाह ने गिनाया कि कांग्रेस ने संविधान में जो संशोधन किए, वो अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी लगाने के लिए थे, आम नागरिकों के मौलिक अधिकार छीनने के लिए थे। अमित शाह की ये बात सही है कि इमरजेंसी के काले दिन इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

संविधान को लेकर भाजपा पर तीन तरह के आरोप लगाए जाते हैं। अमित शाह ने इन तीनों का जवाब दिया। एक तो राहुल गांधी बार बार संविधान की कॉपी लहराकर कहते हैं कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है, आरक्षण को खत्म करना चाहती है। अमित शाह ने एक के बाद एक कई उदाहरण गिनाए, बताया कि मोदी सरकार ने पिछड़ों और गरीबों को अधिकार देने के लिए संविधान में कैसे बदलाव किया। दूसरा आरोप ये लगता है कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति करती है, मुसलमानों को परेशान करती है। इसके जवाब में अमित शाह ने शाह बानो केस और तीन तलाक कानून का उदाहरण दिया। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस ने मुस्लिम महिलाओं का हक छीना और भाजपा ने मुस्लिम महिलाओं को उनका हक दिलाया, तीन तलाक से मुक्ति दिलाई।

तीसरा आरोप भाजपा पर ये लगाया जाता है कि वो एएट से गड़बड़ी करके चुनाव जीतती है। इसका भी अमित शाह ने स्पष्ट जवाब दिया। अमित शाह ने उदाहरण देकर पूछा, एक ही दिन में दो राज्यों के चुनाव के नतीजे आए, महाराष्ट्र में एएट खराब और झारखंड में एएट अच्छी कैसे हो सकती है? हालांकि अमित शाह के जवाब के बाद भी विपक्ष के नेता ये मुद्दा छोड़ेंगे नहीं क्योंकि मंगलवार को ही उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की सरकार को एएट की सरकार कह दिया।इन सब आरोप प्रत्यारोप के बाद कांग्रेस को पहले अपना चेहरा आईने में देखना चाहिए।

धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिताः असमानता और अन्याय को दूर करने की औषधि

--डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में वर्तमान में पूरे देश में धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता लागू नहीं है। इसके बजाय, अलग-अलग समुदायों के लिए विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मुद्दों को नियंत्रित करने वाले व्यक्तिगत कानून धर्म के अनुसार अलग-अलग होते हैं। प्रधानमंत्री ने एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की वकालत की है, जो डॉ. अंबेडकर के एकीकृत कानूनी ढांचे के दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित करती है। इस आह्वान का उद्देश्य मौजूदा कानूनों के कथित सांप्रदायिक और भेदभावपूर्ण पहलुओं को सम्बोधित करना और कानूनी प्रणाली को एकीकृत करना है। सुप्रीम कोर्ट ने देश को धार्मिक आधार पर विभाजित करने वाले कानूनों को खत्म करने के लिए एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की आवश्यकता पर जोर दिया है। हिंदू कोड बिल सिखों, जैनियों और बौद्धों सहित हिंदुओं के लिए व्यक्तिगत कानूनों को संहिताबद्ध और एकीकृत करने के लिए पेश किया गया। गोवा में गोवा सिविल कोड (पुर्तगाली सिविल कोड 1867) के तहत एक समान नागरिक संहिता है, जो धर्म या जातीयता की परवाह किए बिना सभी गोवावासियों पर समान रूप से लागू होती है। उत्तराखंड ने हाल ही में उत्तराखंड समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 पारित किया है, जो अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर सभी निवासियों पर लागू विवाह, तलाक और विरासत जैसे मामलों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू करता है।

समान नागरिक संहिता असमानता को बनाए रखने वाले पुराने व्यक्तिगत कानूनों को हटाकर धर्मनिरपेक्षता को बनाए रखेगी। यह सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी उपचार सुनिश्चित करता है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, एक एकीकृत कानूनी ढांचे को बढ़ावा देता है जो राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है। समान नागरिक संहिता व्यक्तिगत कानूनों में निहित भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करेगी, विशेष रूप से महिलाओं को प्रभावित करने वाली प्रथाओं को। नागरिक कानूनों को मानकीकृत करके, यह सभी के लिए समान अधिकारों और सुरक्षा की गारंटी देगा, सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाएगा। यहाँ तक कि एक धर्म के भीतर भी, इसके सभी सदस्यों को नियंत्रित करने वाला एक भी सामान्य व्यक्तिगत कानून नहीं है। उदाहरण के लिए, मुसलमानों के बीच विवाह के पंजीकरण के लिए, कानून जगह-जगह अलग-अलग होते हैं। समान नागरिक संहिता विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे नागरिक मामलों पर केंद्रित है, जिसमें धार्मिक प्रथाओं को अछूता रखा गया है। यह दृष्टिकोण अन्य लोकतंत्रों में प्रथाओं के साथ संरेखित है जहाँ धार्मिक स्वतंत्रता के साथ एक समान कानूनी ढांचा मौजूद है। समान नागरिक संहिता भारत के कानूनी ढांचे को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाएगी, जटिल और असंगत व्यक्तिगत कानूनों को सरलीकृत प्रणाली से बदल देगी।

इससे कानूनी अनिश्चितता कम होगी और कानूनी खामियों का फायदा उठाने से रोका जा सकेगा। उदाहरण के लिए, सरला मुद्गल बनाम भारत संघ के मामले ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे व्यक्ति कानूनी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए व्यक्तिगत कानूनों में अंतर का फायदा उठा सकते हैं। समान नागरिक संहिता को लागू करने से कई व्यक्तिगत कानून विवादों को कुशलतापूर्वक हल करके न्यायपालिका पर बोझ काफी कम हो जाएगा। इससे अन्य महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए संसाधन मुक्त होंगे, जिससे समग्र न्यायिक प्रभावशीलता में सुधार होगा। मार्च 2022 तक भारत की अदालतों में लगभग 4.70 करोड़ मामले लंबित हैं, न्यायपालिका लंबित मामलों को निपटाने के लिए संघर्ष कर रही है। वैश्विक धारणाः समान नागरिक संहिता को अपनाने से समानता, धर्मनिरपेक्षता और मानवाधिकारों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करके वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ावा मिल सकता है। संवैधानिक कर्तव्य की पूर्तिः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में कहा गया है कि राज्य सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। समान नागरिक संहिता धर्म को सामाजिक सम्बंधों और व्यक्तिगत कानूनों से अलग करेगी, समानता सुनिश्चित करेगी और इस प्रकार सद्भाव और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देगी।

भारतीय कानून पहले से ही कई सिविल मामलों में एक समान संहिता बनाए रखते हैं, जैसे कि भारतीय अनुबंध अधिनियम और सिविल प्रक्रिया संहिता। हालाँकि, राज्यों ने कई संशोधन किए हैं, जिससे धर्मनिरपेक्ष नागरिक कानूनों के भीतर भी विविधता आई है। संविधान के अनुच्छेद 371 (ए) से (आई) और छठी अनुसूची कुछ राज्यों को विशेष सुरक्षा प्रदान करती है, जो पारिवारिक कानूनों में क्षेत्रीय विविधता की मान्यता को दर्शाती है। समवर्ती सूची में व्यक्तिगत कानूनों को शामिल करना इस विविधता की सुरक्षा का समर्थन करता है, जो अनुच्छेद 44 के तहत एकरूपता के लिए दबाव के साथ विरोधाभास को उजागर करता है। समान नागरिक संहिता भारत के बहुलवादी समाज के लिए खतरा हो सकती है, जहाँ लोगों की अपने धार्मिक सिद्धांतों में गहरी आस्था है। भारत के 2018 के विधि आयोग ने कहा कि इस स्तर पर समान नागरिक संहिता ₹न तो आवश्यक है और न ही वांछनीय₹ , इस बात पर जोर देते हुए कि धर्मनिरपेक्षता को सांस्कृतिक मतभेदों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को सुनिश्चित करना चाहिए, न कि उन्हें कमजोर करना चाहिए। टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य में सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता एक संयुक्त राष्ट्र के भीतर विविध पहचानों को पहचानने और संरक्षित करने के बारे में है।

धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता, जिसे समान नागरिक संहिता के रूप में भी जाना जाता है, सभी नागरिकों के लिए, चाहे उनकी धार्मिक सम्बद्धता कुछ भी हो, व्यक्तिगत मामलों-जैसे विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और संपत्ति के अधिकार-को नियंत्रित करने वाले कानूनों का एक ही सेट प्रस्तावित करती है। भारत वर्तमान में हिंदू कानून, मुस्लिम कानून (शरिया) और ईसाई कानून सहित धर्म पर आधारित कई व्यक्तिगत कानूनों के तहत काम करता है। धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता का उद्देश्य इन विविध कानूनी प्रणालियों को एक समान संहिता से बदलना है जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू हो। इसका लक्ष्य विभिन्न समुदायों में और उनके भीतर कानूनी एकरूपता प्राप्त करना है, जिससे पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अधिकार और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में उल्लिखित राज्य नीतियों के निर्देशक सिद्धांत में यह प्रावधान है कि ₹राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। हालाँकि एक निर्देशक सिद्धांत होने के कारण, यह न्यायोचित नहीं है। समान नागरिक संहिता उदार विचारधारा से जुड़ी है और उदार-बौद्धिक सिद्धांतों के अंतर्गत आती है। अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) , 15 (भेदभाव का निषेध) और 21 (व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता के अंतर्निहित सिद्धांतों का समर्थन करते हैं।

समान नागरिक संहिता राष्ट्रीय पहचान के तहत कई व्यक्तिगत पहचानों के सह-अस्तित्व को संभावित रूप से नष्ट करके इस सिद्धांत के साथ संघर्ष कर सकती है। समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश या दृष्टिकोण की अनुपस्थिति एक महत्त्वपूर्ण बाधा है। सभी व्यक्तिगत कानूनों को मिलाने या संवैधानिक जनादेश का पालन करने वाले नए कानून बनाने की जटिलता आम सहमति बनाने को जटिल बनाती है। अल्पसंख्यक अक्सर समान नागरिक संहिता को बहुसंख्यक दृष्टिकोण के थोपे जाने के रूप में देखते हैं, जिससे अनुच्छेद 25 और 26 के तहत उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। समान नागरिक संहिता संभावित रूप से एक ऐसी संहिता लागू कर सकती है जो सभी समुदायों में हिंदू प्रथाओं से प्रभावित हो। आदिवासी समुदायों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों में अलग-अलग विवाह और मृत्यु संस्कार होते हैं जो हिंदू रीति-रिवाजों से काफी भिन्न होते हैं। चिंता है कि समान नागरिक संहिता समान प्रथाओं को लागू कर सकती है, जिससे इन अनूठी प्रथाओं पर प्रतिबंध लग सकता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में समान नागरिक संहिता को लागू करना, जहाँ धार्मिक समुदाय अपने स्वयं के व्यक्तिगत कानूनों का पालन करते हैं, महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है।

भारत के विधि आयोग ने सुझाव दिया कि एक समान नागरिक संहिता लागू करने के बजाय, मौजूदा व्यक्तिगत कानूनों के भीतर भेदभावपूर्ण प्रथाओं का अध्ययन और संशोधन करना अधिक विवेकपूर्ण है। समान नागरिक संहिता को भारत की बहुसंस्कृतिवाद को मान्यता देनी चाहिए और इस बात पर बल देना चाहिए कि एकता एकरूपता से अधिक महत्त्वपूर्ण है, जैसा कि भारतीय संविधान द्वारा समर्थित है। समान नागरिक संहिता को निष्पक्ष और वैध बनाने के लिए धार्मिक नेताओं, कानूनी विशेषज्ञों और समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक परामर्श आवश्यक है। सांसदों को समानता और लैंगिक न्याय के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए असंवैधानिक प्रथाओं को हटाने और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करने के बीच संतुलन बनाना चाहिए। संविधान सांस्कृतिक स्वायत्तता का समर्थन करता है, जिसमें अनुच्छेद 29 (1) विविध संस्कृतियों की सुरक्षा करता है। समुदायों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रथाओं को मूल्यों के साथ जोड़ना चाहिए। समान नागरिक संहिता के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए समझ और स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक आउटरीच प्रयासों के माध्यम से नागरिकों को शिक्षित करने की आवश्यकता है।

पुराने और विभाजनकारी व्यक्तिगत कानूनों से आगे बढ़ना एक ऐसे भारत के संवैधानिक दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है जहाँ सभी नागरिकों के साथ कानून के तहत समान व्यवहार किया जाता है। जैसा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था, ₹कानून और व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार हो जाता है, तो दवा दी जानी चाहिए।₹ धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता वह दवा है जिसकी भारत को उस असमानता और अन्याय को दूर करने और ठीक करने की आवश्यकता है जिसने हमारे समाज को लंबे समय से ग्रसित किया है।

जप माला की प्राणप्रतिष्ठा संस्कार

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

युगों-युगों से वैदिक परंपरा ओर हिन्दू धर्म व संस्कृति मे भक्ति साधना में रत रहने वाले साधकों के लिये माला का महत्व सर्वोपरि है ओर जो माला के संस्कारों का विधिवत पालन कर प्रयोग करता है वही सभी प्रकार की सिद्धियाँ पाने में सफल होते है और मोक्ष की प्राप्ति हेतु इस सुगम मार्ग को अपनाकर अपना जीवन सार्थक करते है। माला वह साध्य है जो साधक को अपने लक्ष्य की प्राप्ति कराता है, किन्तु विरले ही जानते होंगे की इस माला को भी संस्कारित किए अर्थात शक्ति से पूर्ण किए बिना भगवान के विभिन्न स्वरूप ओर अवतारों की कृपा प्राप्ति अहि कर सकते है। प्रत्येक साधक के लिए आवश्यक है की वह माला जाप से पूर्व अपनी माला को संस्कारित करे बिना माला ओर उसके मनकों/ दोनों को संस्कार कर जो जाप करता है वह कभी भी अपनी साधना में सफल नहीं हो सकता है। संस्कार से पूर्ण माला साधक को अपने प्राणों के समान प्रिय लगने लगती है जिसे जाप करते गुप्त बनाए रखना इन साधकों के लिए किसी खजाने से कम नहीं होता है। कहने की आवश्यकता नहीं कि जप की संख्या अवश्य होनी चाहिये। इससे उतनी संख्या पूर्ण करने के लिये समयागत प्रेरणा प्राप्त होती रहती है एवं उत्साह तथा लगन में किसी प्रकार की कमी नहीं आने पाती। जो लोग बिना संख्या के जप करते हैं, उन्हें इस बात का अनुभव होगा कि जब कभी जप करते-करते मन अन्यत्र चला जाता है, तब मालूम ही नहीं होता कि जप हो रहा था या नहीं या कितने समय तक जप बंद रहा। यह प्रमाद हाथ में माला रहने पर या संख्या से जप करने पर नहीं होता। यदि कभी कहीं मन इधर उधर चला भी जाता है तो माला का चलना बंद हो जाता है, संख्या आगे नहीं बढ़ती, और यदि माला चलती रही तो जीभ भी अवश्य ही चलती रहेगी और ये दोनों कुछ ही समय में मन को खींच लाने में समर्थ हो सकेंगी। जो लोग यह कहते हैं कि मैं जप तो करता हूँ पर मेरा मन कहीं अन्यत्र रहता है, उन्हें यह विश्वास रखना चाहिये कि यदि जीभ और माला दोनों घूमती रहीं तो बाहर घूमनेवाला मन कहीं भी आश्रय न पाकर अपने उसी स्थिर अंश के पास लौट आवेगा, जो मूर्छित रूप से माला की गति में कारण हो रहा है। माला के फिरने में जो श्रद्धा और विश्वास की शक्ति काम कर रही है, वह एक दिन व्यक्त हो जायगी और सम्पूर्ण मन को आत्मसात कर लेगी।

आगम-कल्पद्रुम में माला के प्राणप्रतिष्ठित संस्कार की प्रक्रिया का उल्लेख है कि- साधक सर्वप्रथम स्नान आदि से शुद्ध होकर अपने पुजाघर में पूर्व या उत्तर की ओर मुह करके बैठे ओर आचमन पवित्रीकरण के बाद गणेश गुरु ओर अपने इष्टदेव के पूजन कर पीपलके नौ पते लाकर भूमि या किसी पात्र में बिछा ले । एक पत्ता बीच में और आठ को अगल-बगल इस ढंग से रखे कि वह अष्टदल कमल-सा मालूम हो। बीच वाले पत्ते पर माला रखे और 'ॐ अं आं' इत्यादि से लेकर 'हे क्षे' पर्यन्त समस्त स्वार-वर्षोंका उच्चारण करके पंचगव्य के द्वारा माला को स्नान कराये और फिर 'सद्योजात' मन्त्र- ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय वे नमो नमः । भर्वते नाति भवे भवस्व मां भवोद्भवाय नमः। इसके पश्चात वामदेवमन्त्र - ॐ वामदेवाय नमो ज्येष्ठाय नमः श्रेष्ठाय नमो रुद्राय नमः कलविकरणाय नमो बलविकरणाय नमः । बलाय नमो बलप्रमधनाय नमः सर्वभूतदमनाय नमो मनोन्मनाय नमः से चन्दन, अगर, गन्ध आदि के द्वारा घर्षण करे। तत्पश्चात अधोरमन्त्र से धूपदान करे। ॐ अघोरेभ्योऽथ घोरेभ्यो घोरघोरतरेभ्यः सर्वेभ्यः सर्वशर्वेभ्यो नमस्ते अस्तु रुद्ररूपेभ्यः ।यह अभीरमन्त्र है। तदनन्तर तत्पुरुषमन्यसे लेपन करे। ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात। इसके पश्चात एक-एक दाने पर एक-एक बार ईशानमन्त्र - ॐ ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिर्ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदाशिवोम् जाग्रत करे । फिर मालामें अपने इष्टदेवताकी प्राण-प्रतिष्ठा करे।

प्राण-प्रतिष्ठा की विधि पूजा के प्रकरण में देखनी चाहिये। तदनन्तर इष्टमन्त्रसे सविधि पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिये- ॐ माले माले महामाले, सर्वशक्तिस्वरूपिणी। चतुवर्गा त्वयि नीयसतः तस्मान में सिद्धिदा भव॥ यदि मालामें शक्ति की प्रतिष्ठा की हो तो इस प्रार्थनाके पहले 'ह्रीं' जोड़ लेना चाहिये। और रक्तवर्णक पुष्पसे पूजा करनी चाहिये। वैष्णवोंके लिये माला पूजाका मन्त्र है- 'ॐ ऐं श्रीं अक्षमालायै नमः।' अंकारादि क्षकारान्त प्रत्येक वर्णसे पृथक पृथक पुटित करके अपने इष्टमन्त्रका एक सौ आठ बार जप करना चाहिये। इसके पश्चात एक सौ आठ आहुति हवन करे अथवा दो सौ सोलह बार इष्ट मन्त्र का जप कर ले। उस माला पर दूसरे मन्त्रका जप न करे। स्वयं हिले नहीं और मालाको हिलावे नहीं। आवाज नहीं होनी चाहिये और हाथले छूटकर गिरनी नहीं चाहिये। मालाका टूटना मृत्यु ही है ऐसा समझकर निरन्तर सावधान रहना चाहिये। उसे बड़े आदरसे पवित्र स्थानमें रखना चाहिये और प्रार्थना करनी चाहिये- ॐत्वं माले सर्वदेवानां सर्वसिद्धिप्रदा मता। वेन सत्येन में सिद्धिं देहि मातर्नमोऽस्तु ते ।। ऐसी प्रार्थना करके मालाको गुप्त रखना चाहिये। अनुष्ठ और मध्यमाके द्वारा जप करना चाहिये और तर्जनीसे मालाका कभी स्पर्श नहीं करना चाहिये। भूतशुद्धि आदि करके माला में विष्णु, शिव, शक्ति, सूर्व और गणेश का अवाहन करके पूजा करनी चाहिये। फिर माला को पंचगव्य में डालकर 'ॐ हे सीः' इस मन्त्र से निकालकर उसको सोने, चाँदी या तांवे के पात्र में रखे। उसके ऊपर पंचामृत के नियम से दूध, दही, घी, मधु और शीतल जल से स्नान करावे। इसके पश्चात चन्दन, कस्तूरी और कुम आदि सुगन्धद्रव्य से माला को लिप्त करे और 'हे सौः' इस मन्त्रका एक सौ आठ बार जप करे। इसके पश्चात माला में नवग्रह, का आव्हान करे और गुरुदेव को पूजा करके उन माला को ग्रहण करना चाहिये। इस प्रकार को माला ही प्रत्येक क्षण भगवान का स्मरण दिलाती रहती है। साधक को माला की आवश्यकता, उसके भेद निर्माणपद्धति, संस्कार और प्रायश्चित जानकर उनके अनुसार अनुष्ठान चाहिये।

मन को एकाग्रचित्त कर माला जाप करने वाले सदैव आदरणीय होते है किन्तु आज लोग उन्हे बगुला भगत जैसे ओछे विचार रखकर उनका आदर नही देते है, न दे वे किसी आदर के लिए माला जाप जो नहीं करते है। उनमें खुद के प्रति अहमभाव न रहकर साधारण समझने की सोच उनके लक्ष्यप्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। साधक माला के गुरिए गिनने की अशुद्ध अवस्था में भी माला पास रखकर, बायें, हाथ से गिन लेना, लोगों को दिखाते फिरना, पैर तक लटकाये रहना, जहाँ कहीं रख देना, जिस किसी चित से बना लेना तथा चाहे जिस प्रकार गूँथ लेना करता है वह वास्तविक रूप से साधना न होकर एक दिखावा है जो सर्वथा वर्जित है। ऐसी बातें समझदारी और श्रद्धा की कमी से ही होती हैं, विशेषकर उन लोगों से, जिन्होंने किसी गुरु, आचार्य आदि से विधिपूर्वक दीक्षा न लेकर माला के विश्व-विधान पर विश्यास ही नहीं किया है, इस प्रकार जो साधक शास्त्रों में माला के सम्बन्ध में दिये गए विधान का पालन नहीं करता है वह माला जाप करते हुये भी उपहास का पात्र होता है तथा इस प्रकार आधे अधूरे ज्ञान के रहते वह साधना से कोषों दूर होता है।

माला प्रायः तीन प्रकार की होती है- करमाला, वर्णमाला और मणिमाला। अंगुलियों पर जो जप किया जाता है, वह करमाला का जप है। यह दो प्रकार से होता है- एक तो अँगुलियों से ही गिनना और दूसरा अँगुलियों पर गिनना। शास्त्रतः दूसरा प्रकार ही स्वीकृत है। इसका नियम यह है कि अनामिका के मध्यभाग से नीचे की ओर चले, फिर कनिष्ठा के मूल से अग्रभाग तक और फिर अनामिका और मध्यमा के अग्रभागपर होकर तर्जनी के मूलतक जाय। इस क्रम से अनामिका के दो, कनिष्ठा के तीन, पुनः अनामिका का एक, मध्यमा का एक और तर्जनी के तीन पर्व कुल दस संख्या होती है। मध्यमा के दो पर्व सुमेरु के रूपमें छूट जाते हैं। साधारणतः करमाला का यही क्रम है, परन्तु अनुष्ठान भेद से इसमें अन्तर भी पड़ता है। जैसे शक्ति के अनुष्ठान में अनामिका के दो पर्व, कनिष्ठा के तीन, पुनः अनामिका का अग्रभाग एक, मध्यमा के तीन पर्व और तर्जनी का एक मूलपर्व-इस प्रकार दस संख्या पूरी होती है। श्रीविद्यामें इससे भिन्न नियम है। मध्यमा का मूल एक अनामिका का मूल एक, कनिष्ठ के तीन, अनामिका और मध्यमा के अग्रभाग एक-एक और तर्जनी के तीन इस प्रकार दस संख्या पूरी होती है। करमाला से जप करते समय अँगुलियों अलग-अलग नहीं होनी चाहिये। थोड़ी-सी हथेली मुड़ी रहनी चाहिये। मेरुका उल्लंघन और पोंचो सन्धि (गाँठ) का स्पर्श निषिद्ध है। जो इतनी सावधानी रखकर जप करेगा, उसका मन अधिकांश अन्यत्र नहीं जायगा। हाथ को हृदय के सामने लाकर, अँगुलियों को कुछ टेड़ी करके वस्त्र से उसे ढककर दाहिने हाथ से ही जप करना चाहिये। जप अधिक संख्या में करना हो तो इन दशकों को स्मरण नहीं रखा जा सकता। इसलिये जप को स्मरण करने के लिये एक प्रकार की गोली बनानी चाहिये। लाक्षा, रक्तचन्दन, सिन्दूर और गौ के सूखे कंडे को चूर्ण करके सबके मिश्रण से वह गोली तैयार करनी चाहिये। अक्षत, अँगुली, अन्न, पुष्य, चन्दन अथवा मिट्टी से तन दशकों का स्मरण रखना निषिद्ध है। नाला की गिनती भी इनके द्वारा नहीं करनी चाहिये।

वर्णमाला का अर्थ है-अक्षरों के द्वारा संख्या करना। यह प्राय अन्तर्मन में काम में आती है, परन्तु बहिर्जग में भी इसका निषेध नहीं है। वर्णमाला के द्वारा जप करने का प्रकार यह है कि पहले वर्णमाला का एक अक्षर विन्दु लगाकर उच्चारण कीजिये और फिर मन्त्र का इस क्रम से अवर्ग के सोलह, क वर्गसे प वर्ग तक के पचीस और य वर्तक हकार तक आठ और पुनः एक लकार इस प्रकार पचास तक गिनते जाइये; फिर लकार से लौटकर अकार तक आ जाइये सौ की संख्या पूरी हो जायगी। क्ष को सुमेरु मानते हैं। उसका उल्लंघन नहीं होना चाहिये। संस्कृत में त्र और ज्ञ स्वतन्त्र अक्षर नहीं, संयुक्ताक्षर माने जाते हैं। इसलिये उनकी गणना नहीं होती। वर्ग भी सात नहीं, आठ माने जाते हैं।

भाजपा की संगठनात्मक ताकत को बढ़ाना मंत्री पद से ज्यादा महत्वपूर्णः रविन्द्र चव्हाण

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ही हमारी असली पहचान है और मंत्री पद से ज्यादा महत्वपूर्ण पार्टी की संगठनात्मक ताकत बढ़ाना है." इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है कि मुझे मंत्री मंडल में शामिल किया गया है या नहीं। भाजपा को और मजबूत करने के लिए ईमानदारी से काम करना जारी रखूंगा," भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक रविन्द्र चव्हाण ने कहा।

इस बार मंत्री मंडल में कई नए होनहार चेहरों को मौका दिया गया है तो कुछ अनुभवी और वरिष्ठ नेताओं को बाहर कर दिया गया है। इसलिए पिछले 2-3 दिनों से महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी भी इससे अछूती नहीं हैं. उदाहरण के लिए, इन मे सुधीर मुनगंटीवार, संजय कुटे, छगन भुजबल, तानाजी सावंत, नरेंद्र भोंडेकर जैसे कई नामों का उल्लेख किया जा सकता है। इसीलिए चुनाव से पहले एकजुट हुए महायुति में अब मंत्रिमंडल और खाते वाटप को लेकर भूचाल होता है या नहीं? इस बात पर सभी का ध्यान केंद्रित है। लेकिन इस घमासान में इन सब मे अपवाद रहे है देवेन्द्र फड़णवीस के दाहिने हाथ कहे जाने वाले रविन्द्र चव्हाण! चाहे सरकार हो या पार्टी संगठन, पिछले कुछ वर्षों में रविन्द्र चव्हाण का प्रदर्शन निश्चित रूप से सराहनीय रहा है। इसीलिए चर्चा हो रही थी कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की ऐतिहासिक जीत में देवेंद्र फड़णवीस के साथ रविन्द्र चव्हाण का भी बड़ा योगदान है। बीजेपी में मुख्यमंत्री पद के लिए जिन नामों पर चर्चा चल रही थी, उनमें देवेंद्र फड़णवीस के साथ-साथ रविन्द्र चव्हाण का नाम सबसे आगे था। जब फड़णवीस के मुख्यमंत्री बनने की पुष्टि हो गई, तो रविन्द्र चव्हाण को फडणवीस के 'सुपर कैबिनेट' में एक निश्चित नाम के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन उन्हें मंत्री मंडल में कोई पद नहीं दिया गया और फिर भी रविन्द्र चव्हाण की ओर से कोई नाराजगी नहीं जताई गई। रविन्द्र चव्हाण नागपुर में बीजेपी विधानमंडल कार्यालय विधान भवन परिसर में कई मंत्रियों, नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बेहद घुल-मिल कर व्यवहार कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि सोशल मीडिया के जरिए लगातार लोगों से संपर्क में रहने वाले रविन्द्र चव्हाण के सोशल मीडिया अकाउंट पर किसी तरह की नाराजगी देखने को नहीं मिली। बहुत चुपचाप, पिछला बायो बदलकर 'टछअ (एमएलए), डोंबिवली शहर' कर दिया गया है। इसीलिए उनका शांत, संयत रुख चर्चा का विषय बन गया है।छगन भुजबल ने कहा, क्या मैं आपके हाथों का खिलौना हूं? ये कहते हुए उन्होंने खुलकर अपने दिल की बात कही. भले ही सुधीर मुनगंटीवार कहते हैं, ह्रमैं नाराज नहीं हूंह्र, लेकिन नितिन गडकरी के साथ उनकी बैठक में वास्तव में क्या चर्चा हुई, यह अभी भी गुप्त है। डॉ. संजय कुटे ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट कर परोक्ष रूप से अपमानित होने की भावना जाहिर की है। शिवसेना नेता विजयबापू शिवतारे ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि 'अगर उन्हें डेढ़ साल बाद मंत्री पद भी दिया जाए तो भी वह इसे नहीं लेंगे।' नरेंद्र भोंडेकर ने तो अपने शिवसेना के पद से इस्तीफा दे दिया है। तानाजी सावंत ने अपने फेसबुक डीपी से धनुष आइकन हटा दिया है। लेकिन इन सबमें रविन्द्र चव्हाण के समर्थक कोई भूमिका नहीं निभा रहे हैं बल्कि शांत रहने की ही भूमिका दिख रही है। नेताओं के साथ-साथ उनके समर्थक भी आक्रामक होते नजर आ रहे हैं। हर जगह अपने नेताओं के समर्थन में नारे और प्रदर्शन हो रहे हैं। छगन भुजबल के समर्थक भी अजित पवार की तस्वीर पर थप्पड़ मारकर जोडो मारो विरोध प्रदर्शन करते हुए दिखे। डॉ. संजय कुटे के समर्थकों ने जवाब मांगने के लिए नागपुर में फड़णवीस के आवास पर धावा बोलने का फैसला किया। इसके विपरीत, रविन्द्र चव्हाण के समर्थकों के मन में थोड़ी नाराजगी तो थी, लेकिन कोई आक्रामक प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली। इसलिए ऐसा लग रहा है कि रविन्द्र चव्हाण अपने साथ-साथ समर्थकों को भी समझाने में सफल हो गए हैं.भले ही इन दिनों पक्ष निष्ठा, सिद्धांत निष्ठा और सामाजिक हित की शपथ जैसी बाते दुर्लभ होती जा रही है, लेकिन रविन्द्र चव्हाण ने दिखाया है कि वह अपनी भूमिका में एक अपवाद हैं। चुनाव के दौरान चव्हाण का यह बयान कि 'भाजपा ही मेरी पहचान है' काफी चर्चा में रहा था, अब इस बयान को इस स्थिति से हाईलाइट किया गया है। भाजपा की विचारधारा कहती है पहले राष्ट्र, फिर पार्टी और अंत में स्वयं। रवींद्र चव्हाण ने मौजूदा दौर में धैर्य रखकर दिखा दिया है कि वह इस विचारधारा पर अटलता से चल रहे हैं।

सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड ने महाराष्ट्र के लोटे परशुराम में अत्याधुनिक सुविधाओं वाले मॉड्यूल ई प्रोडक्शन ब्लॉक का उद्घाटन किया

मुंबई। फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री की अग्रणी कंपनी, सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड ने बड़े पैमाने पर विकास की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, लोटे परशुराम साइट पर अपने नए बहु-उपयोगी एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएंट्स प्रोडक्शन ब्लॉक, मॉड्यूल ई का शुभारंभ किया है। इस केंद्र को लगभग 120 करोड़ के निवेश से विकसित किया गया है, जिससे कंपनी की संचालन क्षमता में 335 किलोलीटर की शानदार बढ़ोतरी होगी। इस विस्तार के बाद लोटे परशुराम में हमारी संचालन क्षमता में 55% से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जो 597 KLPD से बढ़कर 932 KLPD हो गई। इस नए प्रोडक्शन ब्लॉक को SLL इसकी अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं के विस्तार के साथ-साथ इनोवेटिव प्रोडक्ट्स की श्रृंखला को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिस पर कंपनी पहले से ही विशेष ध्यान दे रही है। अव्वल दर्जे की थेरेपी से जुड़े कई नए प्रोडक्ट्स अब बाजार में उतारने के चरण के करीब पहुँच गए हैं, जिससे कारगर प्रक्रियाओं तथा बैकवर्ड इंटीग्रेशन के जरिये इन बाजारों में सबसे आगे रहने के लिए स्वच्छ के संकल्प को और मजबूती मिली है। कंपनी के बैकवर्ड इंटीग्रेशन मॉडल को सहारा देने के लिए इस फैसिलिटी को तैयार किया गया है, जिससे बड़े पैमाने की किफायत और मुकाबले में दूसरों से बढ़त सुनिश्चित होती है। यह फैसिलिटी चार मंजिलों में बनी और 5,000 वर्ग-मीटर में फैली है, जो कुशल तरीके से कामकाज और सुरक्षित वर्कफ़्लो को सक्षम बनाती है।

डाबर हनीटस ने ह्यसाइंस ऑफ आयुर्वेदा कैंपेन लॉन्च किया

मुंबई। सर्दियों का मौसम बहुत से लोगों को खूब लुभाता है, लेकिन सर्दी आते ही खांसी, गले में खराश औररेस्पीरेटरी इन्फेक्शन जैसे मामले बढ़ने लगते हैं। ऐसे में खांसी और गले की तकलीफ से निपटने के उपाय अपनाना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से भारत के नंबर 1 आयुर्वेदिक कफ सिरप ब्राण्ड डाबर हनीटस ने एकजागरुकता अभियान साइंस ऑफ आयुर्वेदा का लॉन्च किया है, जो डाबर हनीटस के पीछे के विज्ञान के बारे में लोगों कोजागरुक बनाएगा, डाबर हनीटस का यह फॉर्मूला खांसी और गले की तकलीफ से निपटने में बेहद कारगर है। डाबर का यह नया कैंपेन दर्शकों को बताता है कि किस तरह आयुर्वेदिक इन्ग्रीडिएन्ट्स जैसे मुलेठी, शहद, तुलसी, बनप्शा,अदरक इन सभी तकलीफों से राहत देते हैं। अपने एंटीमाइक्रोबियल और एंटी इन्फ्लामेटरी गुणों के लिए विख्यात शहद गले कोगले की खराश को दूर कर प्राकृतिक तरीके से खांसी का उपचार करती है। मुलेठी को भी एंटी- इन्फ्लामेटरी गुणों के लिए जानाजाता है, जो गले की खराश कम करने में कारगर है। तुलसी के एंटी-बैक्टीरियल गुण छाती के कंजेशन को दूर करते हैं, बनप्शाभी छाती के ब्लॉकिज को दूर करता है। कुल मिलाकर इन सभी शक्तिशाली आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से बना डाबर हनीटस मिनटोंमें खांसी और गले की खराश को दूर कर देता है। डाबर इंडिया लिमिटेड में मार्केटिंग के वाइस प्रेजीडेन्ट श्री अजय सिंह परिहार ने कहा, ह्यइस आयुर्वेदिक नुस्खे के पीछे के विज्ञान तथा हर्बल इन्ग्रीडिएन्ट्स जैसे अदरक, शहद, तुलसी, मुलेठी, बनप्शा के फायदों के बारेमें जागरुकता बढ़ाने के लिए डाबर हनीटस मेगा हेल्थ अवेयरनैस कैंपेन साइंस ऑफ आयुर्वेदा लेकर आए हैं, जो आम लोगों को डाबर हनीटस के विज्ञान और इसके आयुर्वेदिक अवयवों के बारे में जानकारीदेगा। डाबर हनीटस खांसी के इलाज का आयुर्वेदिक नुस्खा है, हर्बल इन्ग्रीडिएंट्स से बना यह फॉर्मूला खांसी और गले की खराश से राहत देता है। अच्छी बात यह है कि खांसी की अन्य दवाओं की तरह इसके सेवन से नींद नहीं आती, ऐसे में यह पूरे परिवार के लिए सुरक्षित और कारगर है।

किया इंडिया ने 'किया सिरॉस' लॉन्च की

मुंबई(उत्तरशक्ति)। किया इंडिया ने बहुप्रतीक्षित किया सिरॉस को लॉन्च कर दिया है, जो डिजाइन, टेक्नोलॉजी और स्पेस के मामले में नए मानक स्थापित करने वाली एक क्रांतिकारी एसयूवी है। रेइन्फोर्स्ड K1 प्लेटफॉर्म पर निर्मित, सिरॉस को शहरी ड्राइवरों और तकनीक-प्रेमी एडवेंचर पसंद लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें अत्याधुनिक प्रगति के साथ वर्सेटिलिटी का संयोजन मिलता। यह मॉडल सेगमेंट में पहली बार रियर स्लाइडिंग, रिक्लाइनिंग और हवादार सीटों के साथ-साथ कई अन्य बेजोड़ फीचर्स को पेश करता है। इसमें ड्यूअल-पेन पैनोरमिक सनरूफ और 16-ऑटोनॉमस सेफ्टी फीचर्स के साथ लेवल 2 ADAS और 20 रोबस्ट हाई स्टैंडर्ड सेफ्टी पैकेज दिया गया है। किया इंडिया के एमडी और सीईओ ग्वांग्गु ली ने ब्रांड के दृष्टिकोण को सामने रखते हुए कहा, किया इंडिया हमेशा ही चुनौतीपूर्ण भावना से प्रेरित रहा है, इसने इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और ग्राहक-केंद्रित डिजाइन को लेकर हमारी प्रतिबद्धता के साथ ऑटोमोटिव उद्योग में लगातार नए मानक स्थापित किए हैं। पहले लॉन्च के साथ बाद से हमारी यात्रा किसी उपलब्धि से कम नहीं है। हम देश भर में अपनी उपस्थिति को बढ़ा रहे हैं और उच्च गुणवत्ता वाले, आकांक्षी वाहनों की डिलीवरी करने पर फोकस कर रहे हैं। सिरॉस के साथ हम अपने प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं और एसयूवी के नए मॉडल पेश कर रहे हैं जिनमें शानदार कम्फर्ट, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और बोल्ड डिजाइन का संयोजन किया जाता है। सिरॉस का बाहरी हिस्सा किया के ऑपोजिट यूनाइटेड फिलॉसफी का प्रतीक है, जिसमें बोल्ड खूबसूरती का संयोजन कार की फंक्शनल वर्सेटिलिटी से किया जाता है। इसका आकर्षक डिजाइन ध्यान आकर्षित करता है, जिसे किया की सिग्नेचर स्टारमैप एलईडी लाइटिंग द्वारा हाइलाइट किया गया है, यह एक दूरदर्शी और सॉफिस्टिकेटेड लुक प्रदान करता है। विशिष्ट किया सिग्नेचर डिजिटल टाइगर फेस इसकी कमांडिंग रोड मौजूदगी को और बढ़ाता है, जबकि आर 17 (43.66 सेमी) क्रिस्टल कट एलॉय के पहिये, स्ट्रीमलाइन डोर हैंडल, किया लोगो प्रोजेक्शन के साथ पडल लैंप और मसकुलर कंटूर्स इस एसयूवी के गतिशील और बेजोड़ आकर्षण को नई ऊंचाई पर ले जाते हैं। 2,550 एमएम व्हीलबेस के साथ, सिरॉस केबिन सेगमेंट में पहली स्लाइडिंग और रिक्लाइनिंग, 60:40 स्प्लिट रियर सीटों के साथ एक बेहतरीन इंटीरियर अनुभव प्रदान करता है। इससे गाड़ी में ज्यादा बूट स्पेस मिलता है। फ्रंट एवं रियर वेंटिलेटेड सीटें कम्फर्ट एवं वर्सेटिलिटी को नए अंदाज में पेश करती हैं। केबिन को 76.2 सेमी (30) ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले पैनल - कनेक्टेड कार नेविगेशन कॉकपिट, डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ, स्पोर्टी अलॉय पैडल और 64 कलर एम्बिएंट मूड लाइटिंग, डबल डी-कट स्टीयरिंग व्हील, 4-वे पावर्ड ड्राइवर सीट के साथ और बेहतर बनाया गया है।

युवा बिजनेसमैन कनिष्क ठाकुर ने रचा कीर्तिमान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित ब्रिजराज इंडस्ट्रीज एल.एल.पी.को 2024 का इंडिया 500 अवॉड्र्स दिया गया है। ब्रिजराज इंडस्ट्रीज के डारेक्टर कनिष्क ठाकुर ने बताया कि उनकी कंपनी को ऑटो मोबाइल सेक्टर में उल्लेखनीय कार्यों के लिए इंडिया 500 अवॉड्र्स से सम्मानित किया गया है। अवॉर्ड मिलने से उन जैसे युवाओं को और आगे बढ़ने की ऊर्जा मिलेगी। ब्रिजराज इंडस्ट्रीज एल एल पी के संस्थापक वीरेंद्र ठाकुर ने अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि ऐसे सम्मानों से युवाओं को आगे बढ़ने की शक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि देश भर से करीब आठ लाख कंपनियां अवॉर्ड की रेस में थी। इनमें से 500 कंपनियों में ब्रिजराज इंडस्ट्रीज एल एल पी ने अपनी जगह बनाई और इंडस्ट्रीज को इंडिया 500 अवॉड्र्स दिया गया। ये ब्रिजराज इंडस्ट्रीज एलएलपी के लिए सम्मान की बात है।

हिंसा में लिप्त लोगों को मारना रास्ता नहीं है, बल्कि जिन लोगों ने हथियार उठा रखे हैं, उन्हें मेनस्ट्रीम में वापिस लाना हैः अमित शाह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में हथियार छोड़ कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान शाह ने साफ तौर पर स्पष्ट किया कि, ह्यहिंसा में लिप्त लोगों को मारना रास्ता नहीं है, बल्कि जिन लोगों ने हथियार उठा रखे हैं, उन्हें मेनस्ट्रीम में वापिस लाना है। साल 2019 तक कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में हथियार लेकर हिंसा का रास्ता अपनाने वाले युवाओं ने प्रभावित क्षेत्रों को विकास से कोसों दूर रखा हुआ था। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और अंत्योदय की राजनीति करने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में यह तय किया गया कि जो लोग हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें मौका दिया जाएगा। यदि आँकड़ों पर नजर डालें तो स्पष्ट पता चलता है कि 2019 से 2024 तक सिर्फ पूर्वोत्तर में ही 9,000 से अधिक लोगों ने हथियार छोड़कर सरेंडर किया है। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में भी कई युवाओं ने सरेंडर किया है और अब भारत सरकार ऐसे लोगों और नक्सलवाद से पीड़ित लोगों के कल्याण के लिए समग्र योजना बना रही है। महज एक साल के अंदर छत्तीसगढ़ में 837 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

हाल ही में, भारत सरकार ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की सरेंडर पॉलिसी को पूरे देश में लागू करके हथियार छोड़ने वाले युवाओं को समाज में पुनर्स्थापित किया जाएगा। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 हजार मकान बनाने को मंजूरी देने के साथ-साथ हर परिवार को एक गाय या भैंस देकर डेयरी कोऑपरेटिव बनाने की शुरूआत भी की जा रही है। देश के अंतिम व्यक्ति और अंतिम गाँव तक विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाले मोदी-शाह की नीतियों के तहत प्रभावित क्षेत्रों में स्कूल, दवाखाने, अस्पताल, मुफ्त अनाज, बिजली, शौचालय, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को तेजी से पहुँचाया जा रहा है। अमृतकाल में देश और देश के युवा उन हाथों में सुरक्षित है जो देश को आतंकवाद व नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए कटिबद्ध हैं।

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर (प.) अंतर्गत चित्रालय, टेप्स, विजय कालोनी में स्थित श्री हनुमान जी मंदिर के पास बने भव्य पंडाल में अनुश्री फाउंडेशन की ओर से बुधवार 18 दिसंबर 2024 को श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ कथा वाचक पूज्य श्री बलभद्राचार्य जी महाराज के परम शिष्य सत्यम जी महाराज के सानिध्य में मुख्य यजमान राकेश तिवारी द्वारा सिर पर पोथी व हाथ में भगवान श्री कृष्ण जी की प्रतिमा रखकर व बड़ी तादात में भव्य कलश शोभायात्रा में शामिल भक्तगणों द्वारा भगवा परिधान पहने सिर पर कलश रखकर नगर भ्रमण करने के पश्चात शाम को हो गया। इस कलश शोभायात्रा का शुभारंभ मुख्य यजमान राकेश तिवारी व पुष्पा तिवारी के द्वारा कलश पूजन के साथ किया गया। नगर भ्रमण के दौरान धर्मावलंबियों की ओर से कलश यात्रा शामिल सभी श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। बतादें कि इस श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का अमृतपान 18 दिसंबर से 24 दिसंबर 2024 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक कथा वाचक पूज्य श्री बलभद्राचार्य जी महाराज के परम शिष्य सत्यम जी महाराज के मुखारबिंद से कराया जायेगा। इस भव्य कलश शोभा यात्रा में बलबीर सिंह, रेनू पाण्डेय, गौरी महापुर, रूबी सिंह, शैलबाला सिंह यादव, पूनम कौर, रिंकू सिंह, शशिकला तिवारी, प्रेमलता गुप्ता, सुमन सिंह, सिविल, अर्चना तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। इस कलश यात्रा को सफल बनाने हेतु अनुश्री फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

योगीधाम हाईफाई सोसायटी में मारपीट -मामले में मनसे की एंट्री

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम के योगीधाम इलाके में अजमेरा हाइट्स नामक एक इमारत है। इस हाईप्रोफाइल बिल्डिंग में अधिकारी अखिलेश शुक्ला रहते हैं. उनके बगल में अभिजीत देशमुख और विजय कालविकट्टा रहते हैं। बुधवार की रात शुक्ला ने घर के बाहर धूप अगरबत्ती जलायी अगरबत्ती के धुएं से पड़ोसी परेशान थे। इस बात को लेकर पड़ोसी विजय कालविकट्टे ने शुक्ला को डांटा. उनके बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ता देख शुक्ला ने बाहर से 10 से 15 गुंडों को बुला लिया. गुंडों ने सोसाइटी के लोगों की जमकर पिटाई कर दिया. इस पिटाई में विजय कालविकट्टे, अभिजीत देशमुख, धीरज देशमुख घायल हो गए । सोसायटी के लोगों का कहना है कि अखिलेश शुक्ला मंत्रालय में काम करता है. वह अपनी कार पर रेड बत्ती लगाकर घूमता है। सोसाइटी के लोग शुक्ला से परेशान हो चुके है। कुछ दिन पहले मामूली बात पर उसने एक युवती को उसके पिता के सामने रेप करने की धमकी दी थी. मारपीट के बाद खड़कपाड़ा पुलिस ने मारपीट करने की जांच शुरू कर दी है. इस मामले में खडकपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अमरनाथ वाघमोड़े ने कहा कि अगरबत्ती जलाने के विवाद को लेकर यह झगड़ा हुआ है. पुलिस ने दोनों गुटों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. अखिलेश शुक्ला इस घटना के बाद फरार बताए जा रहे है। पुलिस शुक्ला की तलाश में जुट गई है. इस मामले में मनसे की भी एंट्री हो गई है. अखिलेश शुक्ला लगातार मराठी लोगों को टारगेट कर रहे हैं. आप मराठी हैं. तुम मेरी ताकत नहीं जानते. ऐसे में लोग डरे हुए हैं. मनसे के जिला अध्यक्ष उल्हास भोईर ने इस संबंध में खड़कपाड़ा पुलिस से मुलाकात की है. अखिलेश शुक्ला की गुंडागर्दी खत्म की जाए । यदि दो दिनों के भीतर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया तो मनसे स्टाइल में शुक्ला को सबक सिखाएगी

जय हिंद इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड ने इंस्टॉल की भारत की सबसे बड़ी 4400 टन हाई-प्रेशर डाई कास्टिंग मशीन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जय हिंद इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने पुणे के नजदीक अपने उर्स प्लांट में भारत की सबसे बड़ी 4400-टन हाई-प्रेशर डाई-कास्टिंग मशीन को इंस्टॉल कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बुहलर-स्विट्जरलैण्ड से लाई गई यह मशीन तकनीकी इनोवेशन एवं उद्योग जगत में नए बेंचमार्क स्थापित करने के जय हिंद इंडस्ट्रीज के मिशन की पुष्टि करती है।

4400 टन की डाई कास्टिंग मशीन मैनुफैक्चरिंग में गेम चेंजर साबित होगी तथा जटिल एलुमिनियम स्ट्रक्चरल कम्पोनेन्ट्स के उत्पादन के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करेगी। इस मशीन के द्वारा ऐसे पार्ट्स बनाए जा सकेंगे जो अब तक क्षेत्र की पहुंच से बाहर थे। स्ट्रक्चर कम्पोनेन्ट्स जैसे क्रेडल्स, शॉक टॉवर्स और हाउसिंग्स से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आधुनिक एलुमिनियम पार्ट्स, हैवी ड्यूटी ट्रांसमिशन और कमर्शियल वाहनों के लिए फ्लायव्हील हाउसिंग्स तक, यह मशीन हर तरह की आधुनिक मैनुफैक्चरिंग में कारगर होगीं

श्री प्रसन फिरोदिया, मैनेजिंग डायरेक्टर, जय हिंद इंडस्ट्रीज ने कहा, ह्ययह जयहिंद इंडस्ट्रीज और भारतीय डाई-कास्टिंग उद्योग के लिए गर्व का समय है। 4400 टन की मशीन इनोवेशन और उत्कृष्टता के लिए हमारे समर्पण को दशार्ती है। इसकी मदद से हम खासतौर पर तेजी से विकसित होते ईवी सेक्टर में भावी ऐप्लीकेशन्स के लिए बड़े, जटिल स्ट्रक्चरल पार्ट्स की बढ़ती मांग को पूरा कर सकेंगे। हमें उम्मीद है कि इससे हमारी उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और वर्कफ्लो में भी सुधार आएगा। इस इंस्टॉलेशन के साथ जय हिंद इंडस्ट्रीज देशी-विदेशी ओईएम (ओरिजिनल इक्विपमेन्ट निमार्ता) को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है। उत्पादन क्षमता बढ़ने से नेक्स्ट जनरेशन वाहनों के लिए उच्च क्षमता के लाईटवेट कम्पोनेन्ट्स की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

युवा पुरुषों में कम हो रही शुक्राणु की संख्या चिंताजनक बदलती जीवन शैली और पर्यावरण का पुरुष प्रजनन क्षमता पर असर

नई मुंबई। २५ से ४० वर्ष की आयु के युवा पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या में गिरावट दिखाई दे रही हैं। नियमित व्यायाम का अभाव, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, खराब आहार, तनाव और प्रदूषण के कारण यह समस्या अधिकतर पुरुषों में देखी जा रही हैं। इसके लिए संतुलित आहार अपनाना, नियमित व्यायाम करना, तनाव प्रबंधन के लिए योग और ध्यान का अभ्यास करना और दवाओं और स्टेरॉइड के दुरुपयोग से बचना आवश्यक है।

पुरुषों में उम्र बढ़ने के कारण शुक्राणु की संख्या कम होने लगती हैं। महिलाओं के लिए अंडों में गिरावट आती है, लेकिन ऐसे कई कारक हैं जो शुक्राणु स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। बदलती जीवनशैली इसलिए काफी जिम्मेदार हैं।

नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी के क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ सुलभा अरोरा ने कहॉ की, कम शुक्राणुओं की संख्या और वीर्य में शुक्राणुओं की अनुपस्थिति प्रजनन क्षमता को काफी प्रभावित करती है। खराब आहार के कारण भी यह समस्या होती हैं। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड स्नैक्स के सेवन से मोटापा बढ़ सकता है इस कारण भी शुक्राणु कम होने लगते हैं। पर्यावरण प्रदूषण के कारण भी पुरुषों में शुक्राणु की संख्या कम होने लगती हैं। तनाव कोर्टिसोल के स्तर को बढ़ाता है, जो टेस्टोस्टेरोन उत्पादन और शुक्राणु स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम करता हैं।नवी मुंबई स्थित मदरहुड फर्टिलिटी और आईवीएफ के प्रजनन सलाहकार और आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ अंकिता कौशल ने कहॉ की, प्रजनन संबंधी समस्याएं केवल महिलाओं तक ही सीमित नहीं हैं अब पुरुष भी प्रजनन संबंधी समस्या से जूझ रहे हैं। २५ से ४० वर्ष की आयु के पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या में गिरावट होती दिखाई दे रही है। यह समस्या पर्यावरण प्रदूषण, प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन, शारीरिक निष्क्रियता, लंबे समय तक बैठे रहना और तनाव जैसे कारकों के कारण होती है। इसलिए पुरूषों को स्वस्थ आहार का सेवन करना चाहिए, नियमित व्यायाम, ध्यान और हानिकारक रसायनों के संपर्क से बचना चाहिए। वजन पर नियंत्रण, शराब और तंबाकू का सेवन न करना और प्रजनन स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना शुक्राणू की गुणवत्ता बढा सकता हैं। इसके अलावा प्रजनन संबंधी समस्या के विशेषज्ञ की सलाह लेना काफी जरूरी हैं।

नवी मुंबई स्थित मदरहुड फर्टिलिटी और आईवीएफ के प्रजनन और आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. अंकिता कौशल ने कहॉ की, ह्रमहिलाओं के साथ-साथ अब पुरुष भी प्रजनन संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। पर्यावरण प्रदूषण, खराब आहार, शारीरिक गतिविधि की कमी, लंबे समय तक बैठे रहना और तनाव जैसे कारणों के कारण २५-४० वर्ष की आयु के पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या में चिंताजनक गिरावट आई है। पुरुषों के लिए स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, ध्यान जैसी तनाव प्रबंधन तकनीकों का पालन करना और रसायनों के संपर्क को कम करना आवश्यक है। स्वस्थ वजन बनाए रखना और शराब और तंबाकू का सेवन कम करना भी शुक्राणु की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा जरूरत पडे तो विशेषज्ञ डॉक्टर से मिलकर उनकी सलाह देना काफी महत्त्वपूर्ण हैं। अनुकूलित उपचार विकल्पों के लिए, एक प्रजनन सलाहकार से मिलें जो परीक्षण करेगा और व्यक्ति की आवश्यकताओं के आधार पर अनुकूलित सिफारिशें देगा। डॉ. सुलभा अरोरा ने आगे कहॉ की, शुक्राणु स्वास्थ्य में सुधार के लिए, पुरुषों को एंटीऑक्सीडेंट और स्वस्थ वसा वाले पोषक तत्वों से भरपूर आहार शामिल करना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज, फलियाँ, दालें, सोयाबीन, अंडे, केले, अखरोट, टमाटर और कद्दू के बीज खाना फायदेमंद है। दैनिक व्यायाम, योग, ध्यान और तंबाकू, धूम्रपान और मादक द्रव्यों के सेवन से दूर रहने की भी सलाह दी जाती है। बीएमआई (२०-२५ किग्रा/एम2) बनाए रखना और प्रतिदिन ८-९ घंटे की नींद लेना काफी जरूरी हैं। इससे शुक्राणु की संख्या और वीर्य की गुणवत्ता में सुधार आ सकता हैं। पुरुषों को महिलाओं की तरह ही अपने यौन स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

पुलिस मुठभेड़ में तीन गो-तस्कर गिरफ्तार

- मीरगंज व बरसठी की संयुक्त पुलिस टीम को मिली सफलता
- कब्जे से तमंचा, कारतूस, स्कार्पियों, 3 गोवंश व नकदी बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष मीरगंज मय हमराह द्वारा बंधबा बाजार बरसठी मोड़ तिराहा के पास रात्रि में संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग की जा रही थी, इसी बीच एक स्कार्पियों सफेद रंग की कुंवर तिराहे की तरफ से तेज गति से बंधवा तिराहे की तरफ आते दिखाई दी। संदिग्ध प्रतीत होने पर टार्च की रोशनी से रोकने का इशारा किया गया कि उक्त स्कार्पियों का चालक द्वारा तेज गति से बरसठी की तरफ भागने लगा। जिसकी सूटना आर.टी सेट से कन्ट्रोल रुम व थाना बरसठी दी गई। प्रभारी निरीक्षक बरसठी मय हमराह द्वारा बताया गया कि बरसठी बंधवा रोड पर घेराबन्दी की गई है कि स्कार्पियों पुलिस बल को देखकर पुनः बंधवा की ओर जा रहा है। सूचना पर बिलरा मोड के पहले थानाध्यक्ष मीरगंज मय फोर्स के घेरा बन्दी करते हुए उक्त वाहन का इन्तजार करने लगे कि कुछ समय बाद एक वाहन आता हुआ दिखाई दिया कि अपने को घिरा पाकर वाहन में बैठे चालक द्वारा अपने स्कार्पियो वाहन को दाहिनी तरफ पाण्डेय का तरवाँ (पोखरा) सेमरहो की तरफ मोड दिया। चालक के बगल में बैठे एक व्यक्ति ने उतरकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया। थानाध्यक्ष मीगंज द्वारा आत्मरक्षार्थ फायर किया गया जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। इसी बीच प्रभारी निरीक्षक बरसठी मय हमराह के आ गये। जहाँ पर अन्य फोर्स के साथ घेराबन्दी करते हुए दो अन्य व्यक्तियो को प्रभारी निरीक्षक बरसठी व अन्य फोर्स की सहायता से पकड लिया गया। घायल व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम मनीष यादव उर्फ मिन्टू यादव पुत्र शिवलाल यादव निवासी कैथा उर्फ टडिया थाना अलीनगर जनपद चन्दौली बताया व अन्य पकडे गये व्यक्तियो से नाम पता पूछा गया तो दूसरे ने अपना नाम सद्दाम हुसैन पुत्र मुसाफिर निवासी मथुरापुर कोठवा थाना जलालपुर जनपद जौनपुर व तीसरा व्यक्ति जो अपने को चालक चन्द्रशेखर यादव पुत्र गामा यादव निवासी ग्राम कैथा उर्फ टडिया थाना अलीनगर जनपद चन्दौली बताया। सभी से भागने का कारण पूछा गया तो बताये कि हम लोग गो तस्करी करके बिहार में गोवध के लिए ले जाते है। आज भी इस स्कार्पियो में 3 बछडे गोवंश को गोवध के लिए बिहार ले जा रहे थे। मौके पर स्कार्पियो वाहन नं0 वढ15अश2339 में 3 राशि गोवंश बछडा जिनको क्रूरता पूर्वक रस्सी से मुँह व पैर बाँधकर रखा गया है, तमंचा कारतूस व नकदी बरामद हुई। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। गिरफ्तारी बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण के विरुद्ध धारा 109(1) बी0एन0एस0 व 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रुरता अधिनियम व 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया।

छेड़खानी का विरोध करने पर मनबढ़ों ने दो युवतियों सहित 6 को मारपीट कर किया घायल

खूनी खेल का वीडियो हुआ वायरल

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्कूल जा रही लड़कियों पर गन्दी गन्दी फब्तियां कसना और उन्हें छेड़ना युवतियों और उनके परिवार को उसका विरोध करना भारी पड़ गया। बताया जाता है की कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रफीपुर निवासी किशोरी और युवतियां बगल के गाँव मे स्कूल जाती है। और रास्ते मे ही गाँव के कुछ मनबढ़ युवक रोज छींटाकशी करते थे।गुरुवार को सुबह जब कुछ लड़कियां स्कूल जा रही थी तो फिर वही मनबढ़ छेड़छाड़ और फब्तियां कसने लगे। जिसका विरोध करने पर उक्त मनबढ़ युवक मारपीट पर आमादा हो गए। लड़कियों द्वारा सूचना अपने घर वालो को देने पर जब घर वाले पहुंचे तो मनबढ़ दर्जनों की संख्या में लाठी डंडे से लैस होकर युवतियों और परिजनों पर टूट पड़े और मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया।घायलों परबिंद पुत्र दूधनाथ, राजपति पुत्र मदन लाल, गुड़िया, पुत्री मदनलाल, अर्चना पुत्री इन्द्रसेन, बेचन पुत्र प्रेमचंद को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। मारपीट का वीडियो अब शोसल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ितों ने मामले की लिखित सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

जिला जज ने किया ग्राम न्यायालय का निरीक्षक, अधिवक्ताओं की शिकायत का लिया संज्ञान

विशाल सोनी

- न्यायालय क्लर्क के स्थानांतरण का दिया आदेश

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार की देर शाम तहसील स्थित ग्राम न्यायालय का जिला जज ने औचक निरीक्षण किया। जिला जज अनिल कुमार वर्मा शाम लगभग साढ़े पांच बजे तहसील पहुंचे जहां सबसे पहले ग्राम न्यायालय का निरीक्षण किया।निरीक्षण में न्यायालय के फाइल, रजिस्टर, दस्वावेज, साफ सफाई और रिकार्ड का बारीकी से निरीक्षण किया।निरीक्षण में कोई कमी नही पाई गई। मगर कई लम्बे समय से ग्राम न्यायालय के बड़े बाबू रवि के खिलाफ मिल रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए बड़े बाबू का अन्यत्र स्थानांतरण का निर्देश दिया और सख्त हिदायत दिया कि दोबारा शिकायत मिलने पर बर्खास्त कर दिया जाएगा। बतातें चले की तहसील के अधिवक्ताओं ने ग्राम न्यायालय के बड़े बाबू रवि के खिलाफ अभद्र व्यवहार, भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जिला न्यायालय और उच्च न्यायालय में शिकायत किया था। अधिवक्ताओं ने पच्चीस हजार वैल्यूएशन तक के वाद शाहगंज में ही दाखिल करने का प्रस्ताव जिला जज के पास रखा। जिस पर जिला जज ने विचार करते हुए इस पर तत्काल आदेश दिया।

हाईटेक नर्सरी से प्राप्त पौध से किया बम्पर उत्पादन, बने लखपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया है कि उद्यान विभाग द्वारा निर्मित हाईटेक नर्सरी फार वेजिटेबल सीडलिगं इकाई जो जनपद के के0बी0के0 बक्शा मे स्थापित है। उक्त हाईटेक नर्सरी मे वेजीटेबल सीडलिगं पूर्णतया मृदा विहीन, कवक मुक्त, जीवाणुमुक्त, विषाणुमुक्त, सुपर सीडर मशीन द्वारा तैयार किया जाता है। बुआई के पश्चात वेजिटेबल सीड़लिग को हार्डनिग चैम्बर में रखकर वातावरण के अनुकूल तैयार किया जाता है। तद्पश्चात यह सीड़लिग किसानों को प्रक्षेत्र में बुआई के लिए प्रदान किया जाता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है जनपद मे प्रगतिशील कृषक रितेश यादव ग्राम रामनगर विकासखंड बदलापुर द्वारा हाईटेक नर्सरी मे तैयार पौध का रोपण अपने प्रक्षेत्र में कराया गया, उक्त कृषक द्वारा अपने प्रक्षेत्र में 10 साल के लिए कान्ट्रेक्ट फार्मिग करके सब्जी की खेती उक्त योजना के अन्तर्गत किया जा रहा है जिसमे मटर, करैला, बैगन, टमाटर, शिमलामिर्च को जैविक विधि द्वारा तैयार कर सालाना 07 से 08 लाख का मुनाफा दर्ज कराया गया है। उक्त कृषक प्रक्षेत्र में हाइटेक नर्सरी से 300 पौधे शिमला मिर्च कृषक द्वारा लगाया गया, जिसमें 45 दिन के अंदर फल आ गये, जिसमें उत्पादन करीब 02 कुंतल प्राप्त हुआ। शिमला मिर्च का बाजार मूल्य 60 से 70 रू0 प्रतिकिलों प्राप्त हो रहा है। कृषक द्वारा 3500

सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

टमाटर, 300 बैगन, के पौध हाईटेक नर्सरी के0बी0के0 बक्शा द्वारा प्राप्त कर प्रक्षेत्र मे रोपित किया गया, जिससे करीब 1.50 कुंतल बैगन प्राप्त हुआ, जिसका बाजार मूल्य कृषक को 40 से 50 रू0 प्रति किलो हो रहा है। कृषक प्रक्षेत्र से उत्पादित करैला का बाजार मूल्य 80 रू0 प्रति किलो ग्राम प्राप्त हो रहा है तथा मटर का उत्पादन अब तक 3.50 कुंतल हुआ जिसका बाजार मूल्य 70 से 80 रू प्रति किलोग्राम प्राप्त हो रहा है। उक्त उत्पादन की खास विशेषता यह रही कि इसमें जैविक खाद के रूप में संड़ी गोबर की खाद, जीवामृत एवं घनामृत का प्रयोग प्रभावी ढंग से किया गया है। जिसका परिणाम यह हुआ कि कृषक को कृषि उत्पाद बाजार तक नही ले जाना पड़ा तथा समस्त कृषि उत्पाद व्यापारियों द्वारा कृषक प्रक्षेत्र से ही विक्रय कर लिया जाता है।

जैविक विधि द्वारा खेती करने से कीटनाशको एवं रासायनिक उर्वरको पर होने वाले खर्च से भी बचत हो रही है। जैविक विधि द्वारा तैयार कीटनाशक का प्रयोग करके (यथा-मट्ठा ,अदरक, लहसुन, मिर्च के मिश्रण द्वारा) पौधो को रोग मुक्त किया जा रहा है। प्रगतिशील कृषक रितेश द्वारा बताया गया कि हाईटेक नर्सरी के0बी0के0 बक्शा द्वारा प्राप्त पौधे की मारटेलिटी बिल्कुल नही है 100 प्रतिशत पौध खेत मे लग गये है श्री यादव द्वारा हाईटेक पौधो से अच्छा मुनाफा कमाया जा रहा है। जो कि जनपद मे अन्य कृषको के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप मे कार्य कर रहे है। जनपद के अन्य सभी सब्जी के खेती करने वाले कृषको से अपील है कि के0बी0के0 बक्शा मे तैयार सब्जी की नर्सरी 02 रू0 प्रति पौध प्राप्त कर अपने खेतो मे लगाये ताकि वो भी अपने फसल से अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकें।

संविधान निमार्ता भीमराव अंबेडकर का अपमान देश, संविधान और लोकतंत्र का अपमान: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संसद में बुधवार को संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबासाहब भीमराव अंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयान पर देश में राजनीति गरमा गई है। आज गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर जौनपुर समाजवादी पार्टी ने जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में सपा नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने पीडब्लूडी तिराहे पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन करते हुए अंबेडकर तिराहे पर अंबेडकर पार्क में डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात बाबासाहब की फोटो लेकर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। उक्त अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने बाबासाहब डा.भीमराव अंबेडकर का अपमान तो किया ही साथ ही साथ लोकतंत्र और भारत के संविधान का अपमान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमित शाह को अविलंब बर्खास्त करें और देश से इस अपमान के लिए माफी मांगे। पूर्व विधायक लालबहादुर यादव एवं पूर्व अध्यक्ष ज़िला पंचायत राजबहादुर यादव एवं उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल ने कहा कि बाबासाहब का अपमान देश का अपमान है। आज अमित शाह देश के सबसे बड़ी सदन में बाबासाहेब के संविधान के कारण ही पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर उन्हें बर्खास्त कर राष्ट्र से माफी नहीं मांगते तो हम समाजवादी इस आंदोलन को बड़े स्तर पर करेंगे और फिर सारी जिम्मेदारी गृहमंत्री अमित शाह की होगी।

प्रदर्शन के अवसर पर ज़िला उपाध्यक्ष गण जितेंद्र यादव, इरशाद मंसूरी, हीरालाल विश्वकर्मा, ज़िला महासचिव आरिफ हबीब, वरिष्ठ नेता श्रवण जायसवाल, अनवारूल हक गुड्डू, ज़िला सचिव गण दीपक जायसवाल,गुलाब यादव, विनय कुमार यादव, विधानसभा अध्यक्ष गण नंदलाल यादव, वीरेंद्र यादव, सोचनराम विश्वकर्मा धीरज बिंद, नगर अध्यक्ष कमालुद्दीन अंसारी, प्रदेश सचिव भानु मौर्य, गुड्डू सोनकर जिलाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड, अजय श्रीवास्तव, राजा नवाब सहित अन्य सपाई उपस्थित रहे।

युवक की पिटाई के आरोप में मुकदमा दर्ज

धर्मेंद्र कुमार शर्मा, सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के मल्लूपुर गांव के पास युवक की पिटाई के आरोप में चार नामजद सहित कुछ अज्ञात के विरुद्ध पुलिस मुकदमा दर्ज करके तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बता दे कि आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी बदलापुर प्रतिमा वर्मा ने बताया कि वायरल वीडियो को संज्ञान में लेकर पीड़ित की तहरीर पर अजय यादव अमित यादव रवि यादव आकाश मिश्रा व कुछ अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

प्राण घातक हमले में अधिवक्ता घायल, कोतवाली में लगाई मदद की गुहार

शिव कुमार प्रजापति, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के मदरहां गांव के निवासी वीरेंद्र प्रताप सिंह शाहगंज तहसील में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं ।वीरेंद्र सिंह का अपने पट्टीदार से नाली की पानी को लेकर सुबह विवाद हो गया था लेकिन थोड़ी देर बाद पूरा मामला शांत हो जाने के बाद अधिवक्ता दैनिक दिनचर्या के बाद अपने तहसील जाने की तैयारी में लग गए थे। अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह का कहना है कि जैसे ही वे घर के बाहर चारपाई निकाल कर आराम कर रहे थे कि तभी अचानक गोलबंद तरीके से विपक्षी जितेंद्र पुत्र सूबेदार, अतुल पुत्र जितेंद्र व कुछ अज्ञात युवक अचानक आकर अधिवक्ता के ऊपर हमला कर दिए। अधिवक्ता किसी तरीके से अपनी जान बचाकर घर की तरफ भागने का प्रयास किया। लेकिन विपक्षियों ने अधिवक्ता को तब तक लहूलूहान कर दिया जिससे अधिवक्ता की आंख के नीचे काफी गहरी चोट आ गई है जिसके संबंध में अधिवक्ता द्वारा कोतवाली शाहगंज में प्रार्थना पत्र के जरिए न्याय की गुहार लगाई है।

आहरण व वितरण स्रोत पर कटौती/संग्रहण (टी.डी.एस.) के सम्बन्ध में हुआ सेमीनार का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के निर्देशन में आयकर अधिकारी (टी.डी.एस.) सुल्तानपुर बृजेश राजौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त आहरण एवं वितरण अधिकारी/सम्बन्धित अधिकारी एवं वरिष्ठ कोषाधिकारी के साथ स्रोत पर कटौती/संग्रहण

(टी.डी.एस.) के सम्बन्ध में सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार में आयकर अधिकारी (टी.डी.एस.) सुल्तानपुर मयंक वेरिवाल, आयकर अधिकारी जौनपुर प्रतीक कुमार, कर सहायक एवं मो. काशिफ अंसारी, कर सहायक द्वारा आयकर की कटौती कर समय पर जमा करना, त्रैमासिक टी.डी.एस. स्टेटमेंट्स को सावधानी पूर्वक समय से दाखिल करना इत्यादि के बारे में अवगत कराया गया और ऐसा न करने पर आयकर अधिनियम 1961 के अन्तर्गत लगने वाली शास्तियों और अभियोजन के बारे में भी अवगत कराया गया।

73 करोड़ की लागत से बनेगा 27 किमी लंबा स्टेट हाईवे, 50 ग्राम पंचायतों को होगा लाभ

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में 73.71 करोड़ रुपये की लागत से 27 किलोमीटर लंबा स्टेट हाईवे बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस परियोजना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। यह हाईवे कछवां रोड से शुरू होकर कपसेठी,बाबतपुर और चौबेपुर होते हुए निकलेगा। मार्ग विस्तार और निर्माण योजना इस स्टेट हाईवे का निर्माण अजगरा विधानसभा क्षेत्र के कछवां रोड से शुरू होगा। राज्य मार्ग संख्या-98 के तहत कपसेठी,बाबतपुर और चौबेपुर मार्ग के किमी 33.240 से 61.300 तक सड़क का चौड़ीकरण और मरम्मत किया जाएगा। परियोजना के लिए अनुमानित लागत 73.71 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता अभिनेश कुमार ने बताया कि प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर शासन को भेजा गया है। जैसे ही मंजूरी मिलेगी।जमीन का सर्वेक्षण और अधिग्रहण की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। 50 ग्राम पंचायतों को होगा सीधा लाभ स्टेट हाईवे के निर्माण से आसपास की 50 ग्राम पंचायतों को सीधा फायदा मिलेगा। ये गांव इस मार्ग से जुड़कर बेहतर परिवहन सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। हाईवे के साथ-साथ कुछ स्थानों पर अंडरपास और सर्विस लेन भी बनाए जाएंगे,जिससे यातायात अधिक सुगम हो सके। इस परियोजना से न केवल ग्रामीण इलाकों की कनेक्टिविटी सुधरेगी, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। हाईवे का निर्माण पूरा होने के बाद यातायात में सुधार और यात्रा समय में कमी आएगी, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

सदन में विधायक ने उठाया बेरोजगारी व बिजली का मुद्दा

मुंगराबादशाहपुर जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के विधायक पंकज पटेल ने विधानसभा सत्र के दौरान बढ़ती बेरोजगारी व बिजली समस्या के मुद्दे पर सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार नौकरी नहीं दे पा रही है। प्रदेश में बच्चों की भविष्य को लेकर मां-बाप में डर का माहौल है। नौकरी न मिलने के कारण बच्चों में निराशा छाई हुई है वह आत्महत्या करने में मजबूर हैं। सरकार वादा तो करती है लेकिन जब निभाने की बात आती है तो वह मुकर जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिवर्ष 2 करोड़ नौकरी देंगे का वादा किया था। लेकिन 11 वर्षों की सरकार के पास 22 करोड़ नौकरियां का डाटा उपलब्ध ही नहीं है। देश में बेरोजगारी का दर इस वक्त 9.2 प्रतिशत है। विधायक ने बिजली मुद्दे पर सरकार को घेरा बिजली के मुद्दे पर भी विधायक पंकज पटेल ने सरकार को घेरा कहा कि प्रदेश में

बिजली का वितरण सही न होने के कारण आमजन का जनजीवन और प्रदेश का किसान प्रभावित हो रहा है। प्रदेश में मई, जून, जुलाई व अगस्त में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पूरे प्रदेश में आहा कार कर मचा रहता है। जब प्रदेश में किसानों को पानी की आवश्यकता थी, तो नहर में पानी न होने के कारण किसानों के पास सिर्फ मात्र एक साधन था बिजली से पानी लेना लेकिन ट्रांसफार्मर की खराबी होने के कारण किसानों को सिंचाई करने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा था। मुंगराबादशाहपुर में 21 अगस्त तक 232 ट्रांसफार्मर में जले थे। जिसको बदलाने में कई महीने लगे थे। 2022 में 78 ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि बढ़ाई गई लेकिन लापरवाही के चलते अभी तक स्थापित नहीं हो पाई है। सरकार ने जिस कंपनी को ठेका दिया गया है उसमें बहुत ही अनियमिता है। ट्रांसफार्मर की जो क्षमता वृद्धि बढ़ाई गई है उसे जल्द से जल्द लगाया जाए। उन्होंने ऊर्जा मंत्री से मांग किया कि बिजली की समस्या, बिल में अनियमिता क्षमता वृद्धि बिजली ट्रांसफार्मर कब तक स्थापित हो इसके लिए भी समय निर्धारित किया जाए।

महिला को थप्पड़ मारना दारोगा को पड़ा भारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जमीनी विवाद की सूचना पर गांव में पहुंचे दरोगा जी वर्दी की हनक दिखाते हुए एक महिला को थप्पड़ जड़ दिए। फिर क्या सरेआम हुई महिला की पिटाई से ग्रामीण आक्रोशित हो गये और गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस टीम को दौड़ा लिया। ग्रामीणों का गुस्सा देख अपनी जान बचाते हुए दरोगा जी वहां से भागना ही मुनासिब समझा और भाग निकले। महिला को थप्पड़ जड़ने और दरोगा के भागते हुए का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुरा मामला जलालपुर थाना क्षेत्र मेघपुर गांव का है। बताया गया कि गांव के दूधनाथ सिंह और लालबहादुर पटेल के बीच अवादी की जमीन को लेकर काफी दिनों से न्यायालय में मुकदमा चल रहा है। उक्त विवादित जमीन पर बुधवार की सुबह लालबहादुर पटेल के पक्ष के लोग टीन सेट रखने लगे जिसके बाद दूधनाथ सिंह के पक्ष ने पुलिस को सूचना दिया। सूचना मिलते ही मौके पर हल्का दरोगा विजय सिंह और मोहन प्रसाद पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गयें। आरोप है कि लालबहादुर पटेल पक्ष के एक सदस्य को पुलिस गांव में ही मारने पिटने लगी और उसे पकड़कर अपने साथ ले जाने लगी। लालबहादुर पटेल पक्ष के लोग पुलिस पर एक तरफा कार्यवाही का आरोप लगाकर पुलिस कार्यवाही का विरोध करने लगें। विरोध से तिलमिलाए दरोगा विजय सिंह अपना आपा खो बैठें और एक महिला को धप्पड़ जड़ दिया। महिला की पिटाई के बाद वहां मौजूद काफी संख्या में लोग आक्रोशित हो गये और पुलिस को दौड़ा लिए। ग्रामीणों का आक्रोश देख दरोगा विजय सिंह और मोहन प्रसाद पुलिस टीम के साथ भाग निकले।

हलांकि बाद में पुलिस ने पुलिस टीम पर हमला करने के मामले मे लालबहादुर पटेल पक्ष के दो पुरुष और दो महिला को गिरफ्तार किया है। चर्चा है कि हल्का दरोगा विजय सिंह की एक नादानी ने जलालपुर पुलिस को बैकफुट पर ला दिया है। दरोगा की एक नादानी ने जलालपुर पुलिस की खुब किरकिरी कराई है। लोगों चाह रहें है कि महिला को धप्पड़ जड़ने वाले दरोगा के साथ-साथ पुलिस पर हमलावर हुए लोगों पर भी कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व शील्ड देकर किया गया सम्मानित

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुरुकुल पब्लिक स्कूल में गुरुवार को तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन विजेता टीम के

खिलाड़ियों को सम्मानित कर किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 1 से लेकर कक्षा आठ तक के बच्चों ने प्रतिभा किया। जिसमें सभी खेलो में बालिका वर्ग का दबदबा रहा। प्रतियोगिता के आखिरी दिन हुए विभिन्न खेलों में कबड्डी,रस्साकसी, खोखो, लंबी दौड़ व बैडमिंटन आदि खेलों में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। 200 मीटर लंबी दौड़ लड़कियों में नैंसी यादव प्रथम,अंशिता पांडेय द्वितीय व लड़कों में शुभम प्रथम,पीयूष द्वितीय व प्रज्ञांश तृतीय का स्थान रहा। कबड्डी लड़कों में शुभम प्रथम, बैडमिंटन में प्रणव प्रथम व दिव्यांशु द्वितीय स्थान रहा। रस्साकशी में दुर्गा टीम व खो खो में सेजल गुप्ता टीम अव्वल रही। खोखो व रस्साकशी लड़कियों में कक्षा 6 और कक्षा 7 के बीच जोरदार मुकाबला हुआ जिसमें खो खो में कक्षा 7 व रस्साकशी में कक्षा 6 की लड़कियों ने बाजी मारी। सभी खेलों में विजेता टीम को मुख्य अतिथि अधिशासी अधिकारी अखिलेश तिवारी व विशिष्ट अतिथि चेयरमैन कपिल मुनि ऊमरवैश्य ने संयुक्त रूप से ट्रॉफी व शील्ड देकर सम्मानित किया। प्रबंधक विशंभर दुबे ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कोच शुभम दुबे व शुभम दूबे तथा रेफरी की भूमिका खुशी सिंह ने निभाई। इस अवसर पर प्रबंधक विशंभर दुबे,रूचि सिंह,अकांछा सोनी,रुचिका विश्वकर्मा,नीतू सोनी,ऐश्वर्या खरे,पूर्णिमा सिंह,रीता गुप्ता,रीनू मिश्रा,अन्नू मिश्रा व प्रियंका त्रिपाठी आदि लोगों मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों को आजाद नेचर ऑफ फ्रीडम की टीम ने जूता, मोजा, इनर आदि गर्म कपड़े किया वितरित

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल बक्शा में दिव्यांग बच्चों को आजाद नेचर ऑफ फ्रीडम संस्था के अध्यक्ष गौरव भगत ने अपनी टीम के साथ दिव्यांग बच्चों को जूता, मोजा, इनर व लंच पैकेट वितरित किया गौरव भगत के साथ संस्था के सदस्य विकास गुप्ता, प्रदीप आजाद, राकेश सिंह, सौरभ साहू, गणेश मोदनवाल, शिवम अग्रहरि, कुनाल सोनी, अमित श्रीमाली, पवन सोनी, सभी लोगों ने मिलकर सभी बच्चों को जूता मोजा इनर पहनाकर लंच पैकेट दिया गौरव भगत जी बताया कि हमारी संस्था कई वर्षो से जरुरत मंद लोगों को सेवा देने का कार्य कर रही है और आगे भी करती रहेगी जूता मोजा, इनर पाकर दिव्यांग बच्चे बेहद खुश हुए हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल बक्शा संस्था संचालक डॉ प्रमोद कुमार सैनी ने आजाद नेचर ऑफ फ्रीडम संस्था के सभी पदाधिकारियों

का आभार व्यक्त किया मौके पर स्टॉप मनोज माली,सोनम यादव, मंजू प्रजापति, शिवम सैनी, जितेंद्र मौर्या व सभी दिव्यांग छात्र उपस्थित रहे।

कमलम या ड्रैगनफ्रूट की खेती कर एक बार में मुनाफा कमायें: जिला उद्यान अधिकारी

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।सालो साल जनपद मे नवाचार की राह पर कदम बढाते हुए ड्रैगनफ्रूट की खेती शुरू की गयी है। ड्रैगनफ्रूट को इजराइल एवं वियतनाम जैसे देशों मे उगाई जाने वाले इस फसल को जनपद के विकासखंड मछलीशहर, बदलापुर, मुफ्तीगंज के किसानों ने अपनाया है इस फसल मे कम लागत व अधिक मुनाफा होने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अधिक होती है। ड्रैगनफ्रूट के पौधे को आवारा पशु भी नुकसान नही पहुचाते है। ड्रैगन के पौध एक बार लगाने से 25 से 30 साल तक उत्पादन मिलता है यह इम्यूनिटी बूस्टर का अच्छा विकल्प माना जाता है। एक ड्रैगेनफ्रूट की कीमत बाजार मे 100 से 150 रू0 तक पहुचती है मछलीशहर ब्लाक के ग्राम घिसुआखुर्द के प्रतीक कुमार गुप्ता, विकासखंड बदलापुर ग्राम तियरा के कृषक तिलकधारी और विकासखंड मुफ्तीगंज ग्राम पसेवा के कृषक मोर्टसन मेसी एवं विकासखंड बदलापुर के ग्राम तियरा के किसान बृजेश यादव ने 1195 लाल गुदा वाले पौध लगकर जनपद मे नवाचार का उदाहरण पेश किया है। उन्होने गुजरात से पौध खरीदी और अप्रैल मे यह खेती शुरू की बृजेश यादव पिछले 1 वर्षो से ड्रैगेनफ्रूट की खेती कर रहे है। इसके अतिरिक्त अन्य कई किसान प्रयोग के तौर पर छोटे पैमाने पर लगा रहें है इस फसल से जून से लेकर दिसम्बर तक उत्पादन होता है। ड्रैगनफ्रूट की खेती कम लागत और अधिक मुनाफे का उदाहरण बन रही है। कमलम की खेती हेतु, उद्यान विभाग एक हेक्टेयर पर 30 हजार रूप्ये का अनुदान भी दे रहा है। इससे ना केवल फल बल्कि इसकी कटिंग करके ड्रैगनफ्रूट की नर्सरी भी तैयार कर सकते है यह पहल अन्य कृषको को भी इस फसल के तरफ आकर्षित एवं प्रेरित कर रही है।

रेशमा राठोड की मांग पर पांच कचरे का डिब्बा उपलब्ध

विरार (उत्तरशक्ति)। विरार भाजपा महिला मोर्चा की शहर उपाध्यक्ष रेश्मा राठोड ने वसई विरार महानगर पालिका आयुक्त को एक पत्र लिखकर जहां पर कचारे का अंबार है वहां पर कचरे का डिब्बा रखने की मांग की। उनकी मांग पर महानगर पालिका आयुक्त ने 5 कचरे का डिब्बा उपलब्ध कराया। रेश्मा राठोड ने आवश्यकतानुसार डिब्बों को जनता के बीच उपलब्ध कराया और महानगर पालिका आयुक्त के प्रति आभार प्रकट किया।

आपसी विवाद में दो पक्षों में चली गोली, महिला की मौके मौत

बिजनौर (उत्तरशक्ति)। बिजनौर जनपद में हल्दौर थानाक्षेत्र में दो पक्षों के विवाद के दौरान सुलह कराने पहुंची महिला की गोली लगने से मौत हो गई। गांव कूकड़ा इस्लामपुर निवासी छतरपाल सिंह का गांव के एक व्यक्ति के साथ रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार बीच बचाव करने पहुंची गांव की एक महिला सुधा उम्र 50 वर्ष की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया । गांव कूकड़ा इस्लामपुर निवासी छतरपाल सिंह व जयप्रकाश सिंह के बीच बुधवार की रात रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। जिसमें बीच बचाव करने पहुंची गांव की महिला सुधा देवी उम्र 50 वर्ष पत्नी श्याम सिंह के छतरपाल सिंह के पुत्र अंकित कुमार ने तमंचे से गोली मार दी। ग्रामीणों के अनुसार महिला के सिर में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर एसपी सिटी संजीव वाजपेई पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

पुलिस मुठभेड़ तीन पशु तस्कर गिरफ्तार,रोकने पर झोंकी फायरिंग

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर जिले की मीरगंज व बरसठी पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ में तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया। इस दौरान एक पशु तस्कर के पैर में गोली लगी, उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीरगंज पुलिस बंधबा बाजार बरसठी मोड़ तिराहा के पास रात में संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। पुलिस के मुताबिक इसी बीच एक स्कॉर्पियों कुंवर तिराहे की तरफ से तेज गति से बंधवा तिराहे की तरफ आते दिखाई दी। संदिग्ध प्रतीत होने पर टॉर्च की रोशनी से रोकने का इशारा किया गया। लेकिन उक्त स्कॉर्पियों चालक तेज गति से बरसठी की तरफ भागने लगा। बदमाश के भागने की सूचना आर.टी सेट से कंट्रोल रूम व थाना बरसठी को दी गई। प्रभारी निरीक्षक बरसठी द्वारा बताया गया कि बरसठी बंधवा रोड पर घेराबंदी की गई है। स्कॉर्पियों पुलिस बल को देखकर पुनः बंधवा की ओर जा रही है। सूचना पर बिलरा मोड़ के पहले थानाध्यक्ष मीरगंज मय फोर्स के घेरा बंदी करते हुए उक्त वाहन का इंतजार करने लगे। कुछ समय बाद एक वाहन आता हुआ दिखाई दिया। खुद को घिरा पाकर वाहन में बैठे चालक द्वारा स्कॉर्पियो को मोड़ दिया गया। चालक के बगल में बैठे एक व्यक्ति ने उतरकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की। थानाध्यक्ष मीगंज द्वारा आत्मरक्षार्थ फायर किया गया, जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। इसी बीच प्रभारी निरीक्षक बरसठी मय हमराह के आ गए। जहां पर अन्य फोर्स के साथ घेराबंदी करते हुए दो अन्य व्यक्तियों को पकड़ा गया। घायल व्यक्ति ने अपना नाम मनीष यादव उर्फ मिन्टू यादव पुत्र शिवलाल यादव, निवासी कैथा उर्फ टडिया थाना अलीनगर जनपद चंदौली बताया।

डेढ़ करोड़ रुपए का सोना लेकर भागा कारीगर

कानपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में कानपुर के फीलखाना क्षेत्र से एक और चौकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक कारीगर 2 ज्वेलर्स का करीब डेढ़ करोड़ रुपए का सोना लेकर भाग गया। यह घटना पिछले 2 सालों में सोना लेकर भागने की चौथी वारदात है, और खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर कारीगर पश्चिम बंगाल से ही हैं। पुलिस ने इस बार भी शिकायत दर्ज कर ली है और कारीगर की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन इससे पहले की घटनाओं में पुलिस अभी तक सोने को बरामद नहीं कर पाई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कानपुर के बिरहाना रोड पर स्थित एफ ज्वेलर्स के मालिक शेख सरफराज अली का कहना है कि पिछले 4 साल से उनका कारीगर मानस, जो पश्चिम बंगाल का रहने वाला था, उनकी दुकान पर काम कर रहा था। अचानक एक हफ्ते पहले यह कारीगर करीब 900 ग्राम सोना लेकर गायब हो गया। सरफराज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, तो पता चला कि मानस ने अजय ज्वेलर्स के मालिक का भी 900 ग्राम सोना चुरा लिया है। दोनों दुकानदारों के सोने की कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कारीगर की तलाश शुरू कर दी है, और एक टीम पश्चिम बंगाल भेजी गई है। यह पहली बार नहीं है, जब कारीगरों ने ऐसा किया हो। पिछले 2 सालों में कानपुर में कई घटनाओं में कारीगरों ने ज्वेलर्स का लाखों का सोना चुराया है। दिसंबर 2022 में मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) के कारीगर पिंटू मांझी ने कानपुर के ज्वेलर्स का डेढ़ किलो सोना चुराया था। फिर दिसंबर 2023 में हुगली (पश्चिम बंगाल) के कारीगर प्रीतम मांझी ने तापस ज्वेलर्स का आधा किलो सोना लेकर भाग गया। इसी साल दिसंबर में, महाराष्ट्र का कारीगर मंगल राज लावटे ने कानपुर में करीब 20 किलो सोना लेकर भाग गया था। वह सोने की टेस्टिंग करने के नाम पर दुकानदारों से सोना लेता था, और फिर अचानक गायब हो गया। पुलिस ने उसे महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया, लेकिन अब तक पुलिस सोना बरामद नहीं कर पाई है। कानपुर में सराफा और ज्वेलर्स का बहुत बड़ा कारोबार है, और यहां के दुकानदारों के लिए यह समस्या गहरी हो गई है। कानपुर में जो सोने के जेवर बनाए जाते हैं, उन्हें बनाने वाले कारीगर ज्यादातर पश्चिम बंगाल से आते हैं।

पालतू कुत्ते की याद में युवक ने उठाया खौफनाक कदम

कानपुर (उत्तरशक्ति)। कल्याणपुर के गूबा गार्डन में एक युवक ने अपने पालतू कुत्ते की मौत के गम में आत्महत्या कल्याणपुर के गूबा गार्डन में एक युवक ने अपने पालतू कुत्ते की मौत के गम में आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना शनिवार रात की है, जब सेवानिवृत्त दारोगा के बेटे सौरभ ने फेसबुक पर भावुक पोस्ट लिखने के बाद तमंचे से खुद को गोली मार ली। मिली जानकारी के अनुसार, सौरभ जो नोएडा से लौटा था, को उनके परिवार ने बताया कि पिछले महीने उनका पालतू कुत्ता टायसन बीमारी के चलते 20 नवंबर को निधन हो गया था। सौरभ को इसकी जानकारी लौटने पर दी गई, जिसके बाद वह बेहद उदास हो गया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि सौरभ को टायसन से बहुत लगाव था और वह हमेशा उसे अपने साथ लेकर आते थे। घटना के समय, सौरभ ने अपने पिता से कहा कि वह ठीक नहीं हैं, लेकिन उन्होंने कोई विस्तार से नहीं बताया। बाद में, वह अपने कुत्ते के दफनाए गए स्थान पर गए और वहां से लौटकर फेसबुक पर एक भावुक पोस्ट लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि पापा, मैं आप जैसा नहीं बन सका। मुझे आप सबके साथ रहना बहुत अच्छा लगा, अगर मैंने किसी को कष्ट पहुंचाया हो तो मुझे माफ करें। हम सब दूसरी दुनिया में मिलेंगे। इसके बाद, सौरभ ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारने का प्रयास किया। गोली की आवाज सुनकर परिवार के सदस्य दौड़कर आए और उसे गंभीर हालत में एलएलआर अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के अनुसार, अब उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।

नये जलमार्ग को लेकर विक्रम प्रताप सिंह ने माना सांसद नरेश मस्के का आभार

भायंदर। महाराष्ट्र के ठाणे लोकसभा से शिवसेना गुट के सांसद नरेश म्हस्के ने आज नए संसद भवन में सवार्नंद सोनोवाल (केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री) से मिलकर उन्हें ह्लमुंबई में जलमार्ग आवागमन डोम्बिवली, ठाणे और भायंदर को जोडने के सम्बन्धह्ल में एक अनुरोध पत्र दिया। उन्होंने सांसद ने यह विषय 16 दिसंबर को संसद में नियम 377 के अधीन भी उठाकर सरकार का ध्यान इस और आकर्षित करने का प्रयास किया था। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड (एमएमबी) ने अंतदेर्शीय यात्री जल परिवहन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के दूरदराज के नागरिक क्षेत्रों को जोड़ने की योजना बनाई है। यह प्रणाली शुरू में भायंदर, कोलशेत, कल्हेर और डोंबिवली में चार जेटी के निर्माण के माध्यम से मीरा-भयंदर, ठाणे, भिवंडी और डोंबिवली को जोड़ेगी। यात्री जल परिवहन पूर्व-पश्चिम संपर्क के लिए वसई क्रीक - उल्हास नदी पर संचालित किया जाएगा, जो आबादी और आवासीय क्षेत्रों के विस्तार के साथ एमएमआर के भीतर विकसित यात्रा पैटर्न को पूरा करेगा। चार जेटी का निर्माण डेढ़ साल के भीतर पूरा होने की उम्मीद है, जिसकी अनुमानित लागत 96.12 करोड़ रुपये है, जिसे सागरमाला योजना के तहत केंद्र और राज्य सरकारें समान रूप से वहन करेंगी। अंतदेर्शीय यात्री जल परिवहन प्रणाली लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जरुरत है लेकिन नौकरशाही, वित्तीय चुनौतियों के कारण अंतदेर्शीय यात्री जल परिवहन प्रणाली का कार्यान्वयन धीमी गति से हुआ है। एक बार सुविधाएं तैयार हो जाने के बाद, राज्य सरकार को यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री नौका या जल टैक्सी संचालकों की पहचान करनी होगी। जैसे फेरी घाट और मांडवा के बीच रो-पैक्स सेवा, साथ ही उसी मार्ग पर पारंपरिक नौका सेवाएं लोकप्रिय बनी हुई हैं और लोगों को आकर्षित करती रहती हैं। एमएमआर के भीतर बढ़ती आबादी और आवासीय क्षेत्रों को देखते हुए अंतदेर्शीय यात्री जल परिवहन प्रणाली का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है। हालाँकि राष्ट्रीय जलमार्ग 53 के साथ और अधिक जेटी बनाने की योजना है, लेकिन उन्हें बाद में बनाया जाएगा और वे वसई, कल्याण, पारसिक, नागलाबुंदर, अंजुर दिवे और घोड़बंदर/ गायमुख जैसे क्षेत्रों में काम करेंगे। गायमुख, घोड़बंदर में पहले से ही एक जेटी चालू है और इसका उपयोग फ्लोटल संचालित करने के लिए किया जा रहा है। मुंबई में अंतदेर्शीय यात्री जल परिवहन प्रणाली का कार्यान्वयन एमएमआर के भीतर कनेक्टिविटी में सुधार और आवागमन को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह उपलब्धता, सामर्थ्य और सुविधा जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करेगी। उन्होंने केंद्रीय पत्तन, पौत परिवहन और जलमार्ग मंत्री से मांग की है की वे इस अति महत्वपूर्ण परियोजना को निश्चित समय सीमा से पूरा करने के लिए इससे जुड़े सम्बंधित अधिकारियो को जल्दी से जल्दी जरुरी दिशा-निर्देश दे और प्रकल्प को पूरा करने के रास्ते में आ रही अड्चनो को दूर करने की कृपा करें. केंद्रीय मंत्री ने भी उन्हें आश्वासन दिया कि वे इस महत्वपूर्ण प्रकल्प में तेज गति लाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। 145, मीरा भायंदर विधानसभा प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह ने शहर की जनता की तरफ से सांसद नरेश मस्के का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस जल मार्ग के निर्माण से मीरा भायंदर शहर को विकास की नई गति मिलेगी।

एक लाख के इनामी शूटर को STF ने किया गिरफ्तार

मेरठ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने एक लाख के इनामी बदमाश मनप्रीत सिंह उर्फ सन्नी को गिरफ्तार किया है। हस्तिनापुर क्षेत्र के किशनपुर में 6 जनवरी 2024 की रात चुनावी रंजिश के चलते गुरुद्वारा साहिब में तीरथ सिंह की हत्या कर दी गई थी। वह गांव के प्रधान दिलदार सिंह की भी हत्या करने की फिराक में था। दिलदार पहले मनप्रीत के दोस्त थे, लेकिन किसी बात को लेकर दोनों दुश्मन बन गए थे। एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि हस्तिनापुर निवासी मनप्रीत ने गांव में दोस्त दिलदार सिंह को प्रधानी पद चुनाव लड़ने में समर्थन किया। दिलदार सिंह चुनाव जीत गए। हालांकि किसी काम को लेकर दोनों के बीच रंजिश हो गई। इसके बाद मनप्रीत ने दिलदार सिंह के करीबी व रिश्तेदार तीरथ सिंह की हत्या कर दी। हत्या में मनप्रीत का साथी कुलदीप सिंह भी साथ था। इसके बाद वह दिलदार की हत्या करने की फिराक में था। इसको लेकर सज्जन नामक व्यक्ति से संपर्क भी किया था। उसने अवैध हथियार खरीदने के लिए पैसे दिए। उन पैसों से मध्य प्रदेश के इंदौर से अवैध हथियार खरीद लिया था, लेकिन हत्या करने से पहले ही एसटीएफ ने दबोच लिया।

मनप्रीत कई बार जेल जा चुका है। आठवीं पास आरोपी वर्ष 2012-13 में गांव के लड़कों के साथ दिल्ली आ गया था। यहां बाइक चोरी व मोबाइल छिनैती शुरू कर दी। जनवरी 2014 में दिल्ली पुलिस ने कुलजीत सिंह के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। करीब चार माह जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आ गया और फिर से लूटपाट शुरू कर दी। वर्ष 2016 में दिल्ली पुलिस ने फिर जेल भेज दिया। उसमें भी जमानत पर बाहर आ गया। वर्ष 2017-18 में पुलिस ने तीसरी बार गिरफ्तार कर जेल भेजा। उस पर मेरठ और दिल्ली के थानों में करीब 25 मुकदमे दर्ज हैं। तीरथ सिंह की हत्या में मृतक के पिता ने पूर्व प्रधान सज्जन सिंह, परमजीत सिंह उर्फ गुल्ला, कुलदीप सिंह उर्फ मकड़ी, सुरजीत उर्फ टिटौनी और मनप्रीत सिंह उर्फ सन्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने चार लोगों को तभी जेल भेज दिया था, जबकि मनप्रीत तभी से फरार चल रहा था। पहले उस पर 25 हजार, फिर 50 हजार और बाद में एक लाख का इनाम घोषित किया गया।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने वार्षिक मल्टी-ट्रिप राइडर के साथ एक व्यापक सुरक्षा को प्रस्तुत किया

मुंबई। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने गर्व के साथ अपने वार्षिक मल्टी-ट्रिप राइडर को प्रस्तुत करने की घोषणा कर दी है, जो इसकी जानी-मानी रिलायंस हेल्थ ग्लोबल पॉलिसी का एक संपूर्ण ऐड-ऑन है। बार-बार अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर जाने वाले यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया, यह वार्षिक मल्टी-ट्रिप राइडर विदेशों में स्वास्थ्य और यात्रा से जुड़ी आपातकालीन स्थितियों के लिए विस्तारित सुरक्षा प्रदान करता है। विश्वस्तर पर यात्रा की बढ़ती जरूरतों के साथ, यह राइडर उन व्यक्तियों के लिए एक बिल्कुल सही समाधान है जो हर वर्ष अनेकों अंतरराष्ट्रीय यात्रायें करते हैं। रिलायंस हेल्थ ग्लोबल पॉलिसी सुनिश्चित करती है कि पॉलिसीधारकों को देश के भीतर या विदेशी देशों की यात्रा पर बिना किसी रुकावट के स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो, जिसकी सुरक्षा दुनिया भर में फैली हुई है। वार्षिक मल्टी-ट्रिप राइडर की मुख्य विशेषतायें यह है कि विश्वस्तरीय सुरक्षाः यह राइडर प्रति वर्ष $1.5 मिलियन से $5 मिलियन तक की बीमित राशि के विकल्प प्रदान करता है, जो यात्रा के दौरान इलाज और आपातकालीन इलाजों के लिए एक बहुत अच्छी वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। अनुकूलित की जा सकने वाली यात्रा की अवधिः प्रति वर्ष 180 दिनों तक की यात्राओं को सुरक्षा प्रदान करते हुए, यह राइडर यात्रा के दिनों को अनुकूलित करने की सुविधा प्रदान करता है, जो कम दिनों की व्यावसाय से संबंधित यात्राओं के साथ-साथ बढ़ाई गई यात्राओं को भी सुविधा प्रदान करता है।

व्यापक लाभः पॉलिसीधारक चिकित्सा के लिए विदेश ले जाने, यात्रा को रद्द करने, पासपोर्ट गुम हो जाने की स्थिति में सहायता और यहाँ तक कि रोमांचकारी खेलों की सुरक्षा जैसे लाभों का आनंद उठा सकते हैं, चाहे यात्रा कैसी भी क्यों न हो।

इस नई पेशकश के बारे में बताते हुए, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राकेश जैन ने कहा, ह्लआज की भागती-दौड़ती दुनिया में, जहाँ विश्व की यात्रा करना काम और छुट्टियों दोनों का एक जरूरी हिस्सा बन गया है, विदेशों में स्वास्थ्य की व्यापक सुरक्षा को सुनिश्चित करना जरूरी हो गया है। वार्षिक मल्टी-ट्रिप राइडर, यात्रा के दौरान अचानक उत्पन्न होने वाली चिकित्सा और यात्रा से संबंधित प्रतिकूल परिस्थितियों से बेजोड़ सुरक्षा और मन की शांति प्रदान करके बार-बार यात्रा करने वालों की चिंताओं को दूर करता है, चाहे वे किसी भी देश की यात्रा पर जायें। रिलायंस में, हम अपने पॉलिसीधारकों को यात्रा और स्वास्थ्य की अनिश्चित परिस्थितिओं से बचाने वाले अभिनवकारी, ग्राहक-आधारित समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वार्षिक मल्टी-ट्रिप राइडर, आज के वैश्विक नागरिकों की परिवर्तित होती जरूरतों के अनुरूप बीमा के अभिनवकारी समाधान प्रदान करने के लिए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जैसे-जैसे अंतर्राष्ट्रीय यात्रा व्यावसायिक के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन में तेजी से एकीकृत होती जा रही है, एक भरोसेमंद सुरक्षा कवच का होना जरूरी है। यह राइडर न केवल विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित करता है, बल्कि चिकित्सा से संबंधित विकत परिस्थितियों से लेकर यात्रा में आनेवाली बाधाओं तक, यात्रा से संबंधित संभावित जोखिमों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करके सुरक्षा की भावना भी प्रदान करता है। चाहे वह व्यवसाय, अवकाश या परिवार के लिए हो, यह राइडर लगातार यात्रा करने वालों के लिए पूर्ण मानसिक शांति प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

रियलमी ने पहला आईपी69 स्मार्टफोन रियलमी 14एक्स 5जी पेश किया

पटना (उत्तरशक्ति)। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने रियलमी 14एक्स 5जी पेश किया। यह इसके स्मार्टफोन पोर्टफोलियो में अत्याधुनिक स्मार्टफोन है। रियलमी 14एक्स 5जी में सेगमेंट का पहला आईपी69 डस्ट एवं वॉटर रजिस्टैंस और मिलिटरी-ग्रेड शॉक रजिस्टैंस दिया गया है, जो 6000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी और 45 वॉट की चार्जिंग के साथ आता है। इसमें सोनिकवेव वॉटर इजेक्शन और रेनवॉटर स्मार्ट टच जैसी विशेषताएं दी गई हैं। रियलमी ने इस स्मार्टफोन के साथ किफायती मूल्यों में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है। रियलमी 14एक्स 5जी तीन आकर्षक रंगों क्रिस्टल ब्लैक, गोल्डन ग्लो और ज्वेल रेड में उपलब्ध होगा। इसका 6जीबी प्लस 128जीबी का वैरिएंट 14,999 रुपये में तथा 8जीबी प्लस 128जीबी का वैरिएंट 15,999 रुपये में रियलमीडॉटकॉम, फ्लिपकार्ट और मेनलाईन चैनलों पर मिलेगा। रियलमी प्रवक्ता ने कहा, ह्यह्यहम रियलमी 14एक्स 5जी लॉन्च करके उत्साहित हैं। उद्योग की अग्रणी आईपी69 रेटिंग 15,000 रुपये के मूल्य वर्ग में पेश करके हम शक्तिशाली बैटरी और अनेक इनोवेटिव फीचर्स लेकर आए हैं, जो रियलमी 14एक्स 5जी में यूजर्स के लिए अतुलनीय अनुभव सुनिश्चित करते हैं।

कृपाशंकर सिंह ने माना रेल मंत्री और शिक्षा मंत्री का आभार

जौनपुर। किसी भी शहर के विकास के लिए यातायात की साधनों और शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही कारण है कि जौनपुर को रेल परिवहन से जोड़ने की दिशा में महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा से बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह लगातार प्रयत्नशील रहे। अंततः रेल मंत्री ने लंबी दूरी की 6 ट्रेनों को जौनपुर से होकर जाने की मांग को हरी झंडी देकर जौनपुर स्टेशन के कद को बड़ा कर दिया है। मुंबई के लिए जिन दो गाड़ियों को जौनपुर स्टेशन से होकर जाने का आदेश दिया गया है उनमें लोकमान्य तिलक से गोरखपुर जाने वाली 11081 तथा गोरखपुर से लोकमान्य तिलक जाने वाली 11082 ट्रेन शामिल है। इसी तरह हावड़ा रूट की चार ट्रेनों को जौनपुर होकर जाने का आदेश दिया गया है। इन ट्रेनों में कोलकाता से गाजीपुर सिटी जाने वाली 22323 शब्दभेदी एक्सप्रेस, गाजीपुर सिटी से कोलकाता जाने वाली 22324 शब्दभेदी एक्सप्रेस, गोरखपुर से शालीमार जाने वाली 15022 शालीमार एक्सप्रेस तथा शालीमार से गोरखपुर जाने वाली 15021 शालीमार एक्सप्रेस का समावेश है। कृपाशंकर सिंह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जौनपुर जनपद की जनता की तरफ से धन्यवाद दिया है। साथ ही उन्होंने जौनपुर में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति के लिए केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का भी जौनपुर की जनता की तरफ से आभार मानते हुए धन्यवाद दिया है। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के लिए वह लगातार प्रयासरत है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय को केंद्रीय विद्यालय का दर्जा मिल जाने से यहां अनुसंधान और नवाचार के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो जाएगी।

जय हिंद इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड ने इंस्टॉल की 4400 टन हाई-प्रेशर डाई कास्टिंग मशीन

मुंबई। जय हिंद इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने पुणे के नजदीक अपने उर्स प्लांट में भारत की सबसे बड़ी 4400-टन हाई-प्रेशर डाई-कास्टिंग मशीन को इंस्टॉल कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बुहलर-स्विट्जरलैण्ड से लाई गई यह मशीन तकनीकी इनोवेशन एवं उद्योग जगत में नए बेंचमार्क स्थापित करने के जय हिंद इंडस्ट्रीज के मिशन की पुष्टि करती है। 4400 टन की डाई कास्टिंग मशीन मैनुफैक्चरिंग में गेम चेंजर साबित होगी तथा जटिल एलुमिनियम स्ट्रक्चरल कम्पोनेन्ट्स के उत्पादन के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करेगी। इस मशीन के द्वारा ऐसे पाट्र्स बनाए जा सकेंगे जो अब तक क्षेत्र की पहुंच से बाहर थे। स्ट्रक्चर कम्पोनेन्ट्स जैसे क्रेडल्स, शॉक टॉवर्स और हाउसिंग्स से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आधुनिक एलुमिनियम पाट्र्स, हैवी ड्यूटी ट्रांसमिशन और कमर्शियल वाहनों के लिए फ्लायव्हील हाउसिंग्स तक, यह मशीन हर तरह की आधुनिक मैनुफैक्चरिंग में कारगर होगीं। प्रसन फिरोदिया, मैनेजिंग डायरेक्टर, जय हिंद इंडस्ट्रीज ने कहा, ह्यह्ययह जयहिंद इंडस्ट्रीज और भारतीय डाई-कास्टिंग उद्योग के लिए गर्व का समय है। 4400 टन की मशीन इनोवेशन और उत्कृष्टता के लिए हमारे समर्पण को दशार्ती है। इसकी मदद से हम खासतौर पर तेजी से विकसित होते ईवी सेक्टर में भावी ऐप्लीकेशन्स के लिए बड़े, जटिल स्ट्रक्चरल पाट्र्स की बढ़ती मांग को पूरा कर सकेंगे। हमें उम्मीद है कि इससे हमारी उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और वर्कफ्लो में भी सुधार आएगा। इस इंस्टॉलेशन के साथ जय हिंद इंडस्ट्रीज देशी-विदेशी ओईएम (ओरिजिनल इक्विपमेन्ट निर्माता) को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है। उत्पादन क्षमता बढ़ने से नेक्स्ट जनरेशन वाहनों के लिए उच्च क्षमता के लाईटवेट कम्पोनेन्ट्स की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

रोडवेज कर्मचारियों ने निजीकरण का विरोध कर किया प्रदर्शन

मऊ (उत्तरशक्ति)। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश की मऊ शाखा के रोडवेज कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को मऊ डिपो परिसर में धरना प्रदर्शन किया। संगठन के शाखा मंत्री हरीराम के नेतृत्व में नारेबाजी की और कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को मांगपत्र सौंपा। कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए राष्ट्रीयकृत मार्गों पर निजी बसों के अवैध संचालन और अन्य छोटी बड़ी गाड़ियों द्वारा की जा रही डग्गामारी और परिवहन निगम की संपत्तियों को निजी हाथों में दिए जाने का विरोध किया और कर्मचारियों की समस्याएं रखीं। मांगे पूरी नहीं होने पर सात जनवरी 2025 को विशाल धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी। ज्ञापन देकर रोडवेज बस स्टेशन के एक किमी के दायरे में निजी बसों और चार सवारी वाहनों के अवैध संचालन पर रोक लगाने, टूरिस्ट परमिट लेकर निजी बसों को रोजाना एक निश्चित मार्ग पर चलाने पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। जिससे परिवहन निगम की आय में बढ़ोत्तरी हो और ओवरलोडिंग से हो रही सड़क दुर्घटनाएं रुक सकें। एक्सप्रेसवे और हाईवे को राष्ट्रीयकृत मार्ग घोषित करने, इलेक्ट्रिक बसें निगम के बस बेड़े में शामिल करने पर नगर बस सेवाओं की की तरह उनके संचालन में होने वाले खर्च और आमदनी को राज्य सरकार द्वारा वहन करने की मांग की। कोविड-19 के दौरान मृत कर्मचारियों सहित सभी मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को नियमित नियुक्ति देने, जनवरी-2023 से बकाया मंहगाई भत्ते का भुगतान करने, निगम के सभी संवर्गों की सीधी भर्ती के रिक्त पदों को नियमित नियुक्ति द्वारा भरने और सीधी भर्ती के इन पदों पर नियुक्ति के समय कार्यशालाओं में वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों को वरीयता देने की मांग की। संविदा चालक परिचालकों के पारिश्रमिक में महंगाई को देखते हुए बढ़ोत्तरी करने सातवें वेतनमान का एक जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक के बकाया एरियर की कार्ययोजना बनाकर भुगतान कराया जाय। संविदा चालक परिचालकों की ईपीएफ कटौती के लिए पारिश्रमिक की लिमिट समाप्त कर पूरे पारिश्रमिक पर ईपीएफ की कटौती करने की मांग की।

मुंबई यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरु नानक डिग्री कॉलेज ने बाजी मारी

मुम्बई (उत्तरशक्ति)।19 दिसंबर 2024 दिन गुरुवार को कलीना यूनिवर्सिटी मुंबई में गुरु नानक डिग्री कॉलेज एवं केजे सोमैया कॉलेज के बीच हो रहे मुंबई यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में गुरु नानक डिग्री कॉलेज ने अपने प्रतिद्वंदी के जे सोमैया कॉलेज को 59 रन से पराजित किया। गुरु नानक कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर कुल 172 रन बनाए गुरु नानक कॉलेज का मुकाबला करने मैदान में उतरी। के जे सोमैया की पूरी टीम 113 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया आलोक सिंह, 52 गेंद में 72 रन, प्रेम मिश्रा 18 गदे 33 रन, सुजल अखावत, 36 गेंदे 32 रन, तथा गुरु नानक क्रिकेट खिलाड़ियों द्वारा बाजी एवं क्षेत्र रक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए, अविनाश शर्मा 3 ओवर में 3 विकेट 7 रन, आलोक सिंह तीन ओवर 16 रन 2 विकेट,, सुजल अखावत एवं नीलकांत नायक ने एक एक विकेट लेकर सामने वाली टीम के हौसले पस्त कर दिया। दोनों तरफ से अच्छे प्रदर्शन हो रहे क्रिकेट प्रेमियों का दिल खुशियों से झूम उठा और पूरा खेल परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।